

खबर संक्षेप



एंजाइल पब्लिक प्रोक्वोरमेंट पर प्रशिक्षुओं के लिए व्याख्यान भिलाई। बीएसपी की जीएम काकोली राय ने मिलिट्री कॉलेज ऑफ मैटेरियल्स मैनेजमेंट (एमसीएमएम), जबलपुर में आयोजित एडमिनिस्ट्रेशन एवं लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों को ‘एंजाइल पब्लिक प्रोक्वोरमेंट: बैलेंसिंग काउंटेबिलिटी विद स्पीड इन पीएसयूज विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने खरीद प्रक्रिया में जवाबदेही, पारदर्शिता एवं प्रक्रियागत अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ कार्य की गति एवं दक्षता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बदलते औद्योगिक एवं व्यावसायिक परिवेश में त्वरित और प्रभावी सार्वजनिक खरीद की आवश्यकता पर भी विचार व्यक्त किए।सुश्री काकोली रॉय ने भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में खरीद प्रक्रियाओं से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए। बताया कि किस प्रकार प्रक्रियागत आवश्यकताओं और परिचालन संबंधी तात्कालिकताओं के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है।प्रशिक्षु अधिकारियों ने सार्वजनिक खरीद, प्रक्रियागत आवश्यकताओं, जवाबदेही तथा कार्यकुशलता से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की और अपने प्रश्न रखे। इस दौरान लोगों ने सुझाव भी दिए।

कार्रवाई का अल्टीमेटम : नगरीय प्रशासन विभाग ने 8 सितंबर को पुनः लेटर जारी कर कलेक्टर से मांगी जानकारी

जिले के निकायों में सफाई ऑडिट का 6 महीने पहले फरमान हुआ जारी, अब तक नहीं दिया गया ध्यान, शासन ने मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

जिले में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के अंतर्गत सफाई व्यवस्था का बुरा हाल है। खास बात यह है कि राज्य शासन का फरमान भी निकाय मानने को तैयार नहीं है। जानकारी के मुताबिक इसे लेकर राज्य शासन ने सीधे कलेक्टर को पत्र लिखकर जिले के सभी 11 निकायों में सफाई का ऑडिट कराने कहा था। मार्च 2026 में जारी इस आदेश का अब तक जिले में पालन नहीं हुआ है। इसे देखते हुए नगरीय निकाय विभाग ने 8 सितंबर को पुनः लेटर लिखकर इस पर जवाब मांगा है, साथ ही 7 दिन के अंदर ऑडिट की प्रक्रिया की जानकारी चाही है।

बता दें कि दुर्ग में सफाई की लचर व्यवस्था किसी से छिपी नहीं है। शहर के अधिकांश हिस्सों में बनाए गए एसएलआरएम सेंटर कचरे का डंपिंग यार्ड बना हुआ है। धमधा नाका में कचरे का पहाड़ खड़ा हुआ है। बजबजाती नालियां, मटमैल गंदा बदबूरा पानी और कचरे की सड़ांध ने लोगों को परेशान कर दिया है। लगातार शिकायत के बाद भी निगम ने अब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया है। हालत ऐसी हो गई है कि मवेशी कचरे के पहाड़ के ऊपर चढ़कर कचरा खा रहे हैं। उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इतना ही नहीं कचरे की पुरानी बाउंड्रीवाल को तोड़कर नई बना दी गई है, ताकि और ज्यादा कचरा यहां डंप हो सके। बता दें कि छत्तीसगढ़ में कचरा प्रबंधन को लेकर अब सिर्फ निर्देश नहीं, बल्कि सख्त कार्रवाई शुरू होने वाली है। प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की थी। एक अप्रैल से निकायों में लागू इस नियम पर अब कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत अब नियमों की अनदेखी करने वाले नगरीय निकायों, संस्थानों और जिम्मेदार अधिकारियों पर सीधे आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएंगे। लेकिन अब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया गया है। दुर्ग में पुलगांव, रायपुर नाका, बघेरा, उरला, चिखली सहित अन्य जगहों पर लंबे समय से कचरा फिलिंग के नाम पर कचरा डंप करने का खेल चल रहा है।

कलेक्टर कराएंगे ऑडिट : कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर एफआईआर के हैं निर्देश, धमधा नाका में कचरे का पहाड़



सुप्रीम कोर्ट और पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना के पालन में जारी हुआ था आदेश

जानकारी के मुताबिकठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आदेश सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना के अनुपालन में उठाया गया था, जिससे साफ किया गया था कि अब कचरा प्रबंधन में ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। इसके तहत अब जवाबदेही सिर्फ संस्थानों की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्तर तक तय होगी। चार हिस्सों में कचरा अलग करना अनिवार्य राज्य के सभी शहरों में अब कचरे को चार श्रेणियों गिला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट में अलग-अलग करना होगा। नगर निगमों और नगरपालिकाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कचरा ढोने वाले हर वाहन में इन चारों श्रेणियों के लिए अलग-अलग कम्पाटमेंट हों। यह प्रावधान सीधे तौर पर स्रोत स्तर पर सेवोगैशेन लागू करने की दिशा में बड़ा कदम माना गया, लेकिन जमीन में अब तक इसे उतारा नहीं जा सका है।



1. धमधा नाका में मुख्य सड़क के पास ही कचरा हो रहा डंप। 2. कचरे के पहाड़ पर मवेशी खा रहे प्लास्टिक। 3. एसएलआरएम सेंटर में धूल खा रही सेग्रीगेशन की मशीन।

30 अप्रैल को भी कलेक्टर को मेजा गया था सफाई ऑडिट को लेकर राज्य शासन से पत्र

जानकारी के मुताबिक नगरीय निकाय विभाग ने 30 अप्रैल को भी कलेक्टर को सफाई ऑडिट की लेकर पत्र प्रेषित किया था। इसमें स्पष्ट किया गया था कि 25 मार्च को पर्यावरण मंत्रालय से जारी आदेश तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में पारित आदेश के अनुपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 नियम का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इसके अंतर्गत सभी निकायों के अधिकारी की बैठक आयोजित कर वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे मटेरियल रिकवरी फेसेलिटी, कपोस्टिंग फेसेलिटी, अपशिष्ट प्रसंस्करण, ट्रांसफर स्टेशन, सैनिटरी लैंडफिल, लिगेसी वेस्ट डम्पसाइट का स्थल निरीक्षण एवं ऑडिट करते हुए उनकी कार्यप्रणाली, तकनीकी और पर्यावरण स्थिति का परीक्षण किया जाए। जिले कलेक्टर अपने क्षेत्र के सभी निकायों की सफाई की ऑडिट रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजे। वर्तमान में इसे लेकर पुनः लेटर जारी किया गया है।

3 स्तर पर कार्रवाई, जुर्माने और जेल का प्रावधान, निदान-1100 में भी शिकायत

सफाई की व्यवस्था बेहतर करने के लिए तीन स्तर पर कार्रवाई का प्रावधान किया गया। पहले स्तर पर नियम तोड़ने पर तत्काल जुर्माना लगाया जाएगा, दूसरे स्तर पर लगातार लापरवाही पर आपराधिक केस दर्ज होगा। तीसरे स्तर पर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों पर भी अभियोजन होगा, लेकिन अब तक ऐसा कुछ भी नहीं किया गया है। इतना ही नहीं निदान-1100 में भी और सख्ती से सफाई व्यवस्था के पालन को लेकर निर्णय लिए गए। वर्तमान में निदान-1100 की शिकायत को गंभीरता से ही नहीं लिया जा रहा। नगरीय निकाय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं के निरीक्षण व ऑडिट प्रतिवेदन, प्रारंभिक अनुपालन के लिए कार्ययोजना प्रेषित की जाए। आदेश के 4 महीने बाद भी निरीक्षण और ऑडिट प्रतिवेदन नहीं भेजा गया है। कलेक्टर को कहा गया है कि निरीक्षण एवं ऑडिट प्रतिवेदन, प्रारंभिक अनुपालन की कार्ययोजना 7 दिन की समयवधि में भेजना सुनिश्चित किया जाए।

17 को पुराने पुलिस ग्राउंड में जलेगा आशीर्वाद का दीया, बैठक में तैयारियों की हुई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

जिला सहकारी बैंक मुख्यालय सभा भवन में सहकारी जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारियों की बैठक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने ली। बैठक में 17 से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाये जाने की जानकारी दी गई। बेलचंदन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सहकारिता के दीप जलाकर मनाया जाना है। उक्त दिवस में बैंक कार्यक्षेत्र अंतर्गत संचालत प्रत्येक समितियों में 101 दीप का प्रजनलन सायं 7 बजे प्रत्येक समिति कार्यालय में समिति के प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। बैठक में उपाध्यक्ष नरेश यदु, मुकेश ध्रुव, लखनलाल गुरुपंच, सीईओ एसके वर्मा, संजीव तिवारी, नारायण बस्तरिया, यशवंत कुमार वर्मा, राजेन्द्र यादव, मुकेश बेलचंदन, कुलदीप साहू सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

17 सितंबर दिन गुरुवार स्थान पुराना पुलिस ग्राउंड कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर दुर्ग नगर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा



एगीस्टेक पंजीयन के लिए 30 सितंबर तक किया जा रहा शिविरों का आयोजन

धान खरीदी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों एवं उनके सह-हिस्सेदारों का शत-प्रतिशत एगीस्टेक पंजीयन होना अनिवार्य है। इस हेतु जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समिति में संचालित कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से एगीस्टेक पंजीयन का कार्य अपने आश्रित ग्रामों में शिविर आयोजित कर किया जा रहा है। जिला दुर्ग में कुल 87 समितियों के आश्रित ग्रामों में 10 सितंबर से शिविर का आयोजन किया गया है, जो कि 30 सितंबर तक चलेगा। शिविरों में जिले के सभी तहसील के कृषि विस्तार अधिकारी एवं पटवारी भी उपस्थित रहकर शासन की महत्वपूर्ण योजना में सहयोग प्रदाय कर रहे हैं। इस संबंध में पूर्व ही सहकारिता विभाग, अधिकक्षक भू-अभिलेख एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समितियों के समिति प्रबंधक, प्रमारियों की समीक्षा बैठक जिले के कलेक्टर द्वारा जा चुकी है।

रहा है। अभियान का उद्देश्य 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना, विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रति व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न गतिविधियों में नगर पालिक निगम दुर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

अभियान के तहत नागरिकों की भागीदारी से सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुराना पुलिस ग्राउंड में 17 सितंबर को सुवा लाख दीपों का प्रज्ज्वलन अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को संध्या 6 बजे पुराना पुलिस ग्राउंड में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 17 से 21 सितंबर, 6 से 10 अक्टूबर एवं 15 से 17 अक्टूबर, आंगन मिलन

सेवा 26 सितंबर से 2 अक्टूबर एवं 12 से 14 अक्टूबर, सेवा की कहानी 17 से 21 अक्टूबर, सेवा संकल्प यात्रा 1 से 5 अक्टूबर, ज्योति कलश यात्रा विकसित भारत का संकल्प 7 अक्टूबर, जल जन सेवा, सेवा मेरा योगदान 23 से 25 सितंबर, सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार 1 से 5 अक्टूबर, सेवा के रंग राष्ट्र के संग 29 सितंबर, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 9 अक्टूबर तथा 'सुशासन सेवा संवाद 17 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

धन्वंतरी मंदिर का पंचम वार्षिकोत्सव मनाने तैयारी शुरू



धमधा। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम धन्वंतरी मंदिर, धमधागढ़ स्थित सिद्ध मनोकामना भगवान श्री धन्वंतरी मंदिर का पंचम स्थापना वर्ष समारोह आगामी 6 एवं 7 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को मंदिर समिति की आवश्यक बैठक हुई। मंदिर समिति अध्यक्ष कल्याण सिंह चौहान के निर्देश पर आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से दो दिवसीय आयोजन के सुचारु संचालन के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया। समारोह में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा राज्य व केंद्र के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संस्कृत मंत्रों एवं श्लोकों की रिकॉर्डिंग पर आधारित समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। आयोजन समिति में पवन देवांगन को अध्यक्ष तथा आचार्य धर्मेन्द्र ताम्रकार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। शिक्षाविद् आचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा को प्रमुख मार्गदर्शक मनोनीत किया गया है। संरक्षक शिव साहू, देवेंद्र साखरे, पारसमल जैन एवं प्रकाशचंद सुराना को जिम्मेदारी दी गई है। समिति के प्रमुख सदस्यों में बंदी प्रसाद पटेल, गोपालन पटेल, कुबेरनाथ साहू आदि बनाए गए।

अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 22 पुलिसकर्मी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

जनसुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दुर्ग पुलिस के 22 अधिकारी-कर्मचारियों एवं नगर सेना सैनिकों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं कैश इनाम देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में उन पुलिसकर्मियों के कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया, जिन्होंने अलग-अलग परिस्थितियों में तत्परता दिखाते हुए लोगों की जान बचाने, यातायात व्यवस्था सुचारु करने और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 28 अगस्त को हाईवे-3 पर ऑटो पलटने से हुए सड़क हादसे में पांच लोग घायल हो गए थे। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की टीम ने 5 अगस्त को दुर्ग-रिसाली रोड के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार साहू सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, 14 सितंबर को श्याम चौक, हिमालय कॉम्प्लेक्स के पास हथियार लेकर घूम रहे आरोपी की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम पहुंची थी।



पुलिसकर्मियों ने योगदान दिया। 21 अप्रैल को हुए अग्निकांड के दौरान आग बुझाने और जन-माल की सुरक्षा में योगदान देने वाले पुलिस एवं नगर सेना के जवानों को भी सम्मानित किया गया। आरक्षक राकेश देशमुख और नगर सेना सैनिक राकेश सिंह के कार्यों की सराहना की गई। स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम को भी प्रशस्ति पत्र और कैश इनाम दिया गया। टीम ने भोपाल और धमतरी से स्थायी वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई में थाना नेवई पुलिस की टीम ने 5 अगस्त को दुर्ग-रिसाली रोड के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर घूम रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार साहू सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, 14 सितंबर को श्याम चौक, हिमालय कॉम्प्लेक्स के पास हथियार लेकर घूम रहे आरोपी की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम पहुंची थी।

एसएसपी के हाथों सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मी

सम्मानित किए गए 22 अधिकारी-कर्मचारियों और नगर सेना सैनिकों में यातायात पुलिस के आरक्षक अमित मिश्रा, आरक्षक अमित शुक्ला, आरक्षक फिरोज खान, आरक्षक ललित कुमार, आरक्षक कुलभूषण साहू, आरक्षक उमाकांत वर्मा, आरक्षक चंद्रशेखर साहू और आरक्षक विजय शर्मा शामिल हैं। वहीं अभिनकांश के दौरान सराहनीय कार्य के लिए आरक्षक राकेश देशमुख और नगर सेना सैनिक राकेश सिंह को सम्मानित किया गया। भोपाल एवं धमतरी से स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रधान आरक्षक दिवेश सेनी, आरक्षक हिमांशु सिंह और आरक्षक प्रदीप निर्मलकर को भी प्रशस्ति पत्र एवं कैश इनाम दिया गया। इसी तरह थाना नेवई की कार्रवाई में निरीक्षक एवं थाना प्रभारी अनिल कुमार साहू, पर्यवेक्षक उम निरीक्षक जयप्रकाश खांडेकर, प्रधान आरक्षक हेमंत देव, आरक्षक प्यारे लाल साहू, आरक्षक सुमित उईके और आरक्षक खेलाल यादव को सम्मानित किया गया। वहीं थाना सुपेला एवं डायल-112 की कार्रवाई में आरक्षक सुरप्रताप, डायल-112 के आरक्षक धर्मेन्द्र सूर्यवंशी और डायल-112 चालक ऋषम सिंह को उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

18 लाख आवास की आड़ में गरीबों के साथ हुआ विश्वासघात

हरिभूमि न्यूज ▶▶दुर्ग

प्रधानमंत्री आवास योजना के आंकड़ों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम विजय शर्मा के बीच हुई ऐतिहासिक खुली बहस पर एक विस्तृत और बेहद तीखा बयान जारी किया है। अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का समर्थन करते हुए कहा कि इस खुली बहस ने छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में भाजपा के सबसे बड़े 'मनगढ़ित झूठ' का पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया है। जो भाजपा कल तक सीना ठोककर 18 लाख आवास स्वीकृत करने का दावा कर रही थी, आज बहस की लाइव टीवी स्क्रीन पर घिरने के बाद बैकफुट पर आ गई है और अब बेरोशमी से स्वीकृति को केवल अपना संकल्प बताकर जनता को गुमराह कर रही है। राकेश ठाकुर ने पूरे घटनाक्रम की याद दिलाते हुए कहा कि 13 दिसंबर 2023 को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन यानी 14 दिसंबर 2023 को कैबिनेट की पहली बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक के तुरंत बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा सहित पूरी भाजपा ने ढिंढोरा पीटा कि उन्होंने पहली ही कैबिनेट में प्रदेश के 18 लाख गरीबों के लिए आवास स्वीकृत कर दिए हैं। इस खोखले दावे को सच साबित करने के लिए छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, चौक-चौराहों पर जनता के टेक्स की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये फूंककर बड़े-बड़े होर्डिंस, बैनर और भ्रामक विज्ञापनों की बाढ़ ला दी गई।

दुर्ग संभाग में एसएनए स्पर्श एवं जेम पोर्टल का संभाग स्तरीय प्रशिक्षण स्कूलों में राशि आवंटन, सीलिंग, बिल भुगतान की प्रक्रिया समझी

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

समग्र शिक्षा योजनांतर्गत एसएनए स्पर्श एवं जेम पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दुर्ग संभाग स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन पंडित जवाहरलाल नेहरू शासकीय विद्यालय खुसीपार भिलाई में किया गया। रा ज य परियोजना का र्ग य ल ड रा निर्धारित संभागवार प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दुर्ग संभाग का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में दुर्ग संभाग के सात जिलों के सहायक संचालक, जिला परियोजना समन्वयक, जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड

स्रोत केंद्र समन्वयक, प्रोग्रामर एवं जिला कार्यालय विकासखंड कार्यालय व समग्र शिक्षा के लिपिक प्रशिक्षण में उपस्थित थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एसएनए स्पर्श के माध्यम से आबंटन, सीलिंग, बिल निर्माण एवं भुगतान की प्रक्रिया तथा जेम पोर्टल से संबंधित कार्यों की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण के दौरान एजेंसी स्तर पर एसएनए स्पर्श के माध्यम से बिल तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया गया। बीएससीओ एवं डीडीओ स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया गया कि वर्तमान प्रक्रिया के अनुसार अब सभी बिल केन्द्रीय कोषालय को भेजे जाएंगे।



व्यवहारिक समस्याओं का मिला समाधान

प्रशिक्षण में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एसएनए स्पर्श की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझते हुए अपनी जिज्ञासाओं एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एसएनए स्पर्श की प्रक्रिया को प्रत्येक संबंधित स्तर तक सरल, व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से पहुंचाना तथा एजेंसियों द्वारा बिल निर्माण से लेकर अंतिम भुगतान प्रक्रिया तक कार्यों को निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप संपादित कराना रहा। यह प्रशिक्षण राज्य स्तर के मास्टर ट्रेनर मोहन चौहान एवं भूमिका साहू द्वारा प्रदान किया गया।

बिल बनाने और भुगतान की संपूर्ण प्रक्रिया समझी

प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम में संयुक्त संचालक डॉ. के.वी. राव द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने अधीनस्थ एजेंसियों को एजेंसी मेकर एवं एजेंसी चेकर के माध्यम से बिल तैयार करने, बिल का परीक्षण करने तथा उसे डीडीओ स्तर तक भेजने की संपूर्ण प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि एजेंसियों को एसएनए स्पर्श में कार्य करते समय निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं प्रक्रिया की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए तथा सभी संबंधित कार्यों में नियमों एवं निर्धारित प्रक्रिया का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित कराया जाए। इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि एसएनए स्पर्श में बिल निर्माण एवं भुगतान की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित चरणों के अनुसार ही पूरी की जाए तथा प्रत्येक स्तर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का सार्वभौमिक निर्वहन करें। प्रशिक्षण के दौरान सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे एसएनए स्पर्श एवं जेम पोर्टल की वेबसाइट तथा राज्य एवं जिला कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें।



सरस्वती शिशु मंदिर में भगवान गणेश की स्थापना

जामगांव आर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर में प्राचार्य पीएल बारले के मार्गदर्शन में गणेश मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना करने वालों में प्राचार्य पीएल बारले उपप्राचार्य लिकेश्वर साहू, दर्पण भवन प्रभारी धनेश्वरी साहू, समर्पण भवन आधार तल सह प्रभारी योगिता साहू, समर्पण भवन प्रथम तल सहप्रभारी कविता साव, होमवर्क प्रभारी निखिलेश साहू, नम्रता पटेल सहित बच्चे उपस्थित रहे।

मुरमुंदा में होगी किसानों की महापंचायत



जामुल। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक 13 सितंबर (रविवार) को ग्राम मुरमुंदा में संपन्न हुई। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली पर्व से पूर्व 'किसान महापंचायत' का आयोजन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस वर्ष किसानों की महापंचायत 1 नवंबर (रविवार) को दुर्ग जिले की अहिंवारा विधानसभा अंतर्गत धमधा ब्लॉक के ग्राम मुरमुंदा में आयोजित की जाएगी। महापंचायत में किसानों की विभिन्न समस्याओं, कृषि लागत, फसलों के दाम तथा सरकार की कृषि नीतियों, कार्यक्रमों व योजनाओं की व्यापक समीक्षा कर आगामी रणनीति तय की जाएगी। मुरमुंदा में आयोजित इस तैयारी बैठक में मनमोहन साहू, विजय चौबे, चंद्रिका प्रसाद, वरुण कुमार, बोधनलाल, श्रवण कुमार, भुवन लाल, दयाराम, परसराम, गंगाधर, मरेश साहू, ज्ञानेश्वर यादव, कामता निषाद, खोमेश्वर, भूपेश, तिलक साहू, निशित शर्मा एवं विष्णु साहू सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित थे। इनके अलावा प्रगतिशील किसान संगठन के केंद्रीय प्रतिनिधि संजय ताम्रकार, संतु पटेल, बाबुलाल साहू, बद्री प्रसाद पारकर, उत्तम चंद्रकार, आई. के. वर्मा आदि उपस्थित थे।

निधन

माया राऊत

भिलाई। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय भिलाई की सेवानिवृत्त नर्सिंग सुपरीटेंडेंट माया राऊत (67), पति दिलीप राऊत का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा बुधवार, 16 सितंबर को सुबह 11:00 बजे उनके निज निवास (सड़क नंबर 19 क्वार्टर 6A सेक्टर-7, भिलाई से निकलनेगी तथा अंत्येष्टि दोपहर 12:00 बजे रामनगर मुक्तिधाम में होगी।

धुवनारायण तिवारी

जामगांव आर। सेवानिवृत्त शिक्षक धुवनारायण तिवारी का 14 सितंबर को निधन हो गया। मंगलवार को स्थानीय मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

न्यायालय :- प्रथम अति. प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)

न्यायाधीश वरद क्र. 447 / 2026

घात 13 (1) (1-a) (1-b) हिन्दू विवाह अधिनियम

आदेशिका क्र. 1293/2026

पेशी दिनांक :- 16.10.2026

:- **कोटिल** :-

:- **बनवास** :-

अनिश सैनी आवेदक

श्रीमती उमप्रती कौर अनावेदिका

प्रति, श्रीमती जयप्रदीप कौर, प.अ. अनिश सैनी, उम्र-31 वर्ष, निवासी-धारा-नरवर, रामजीला सिंह, कबडर नं. 3/वी स्ट्रीट नं. 08, सेक्टर-08, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आवेदिका विवर :- आवेदक अनिश सैनी ने आवेक विरुद्ध विवाह विच्छेद की आशापि के द्वारा विवाह के विघटन हेतु इस न्यायालय के सम्मक्ष एवं अनर्गत धारा 13 (1-a) (1-b) हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 पेश किया है। अतः इस नोटिस के माध्यम से आवेक को सुचित किया जाता है कि आप स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि/अधिकृत के माध्यम से, जो आपमें से संबंधित सभी उत्तर देने में सक्षम हैं, उत्तर वाद में सुनवाई हेतु दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे इस न्यायालय के सम्मक्ष उपस्थित हों।

यदि किसी कारणवश सुनवाई तिथि 16 अक्टूबर 2026 को अवकाश घोषित होता है, तो मामले की सुनवाई उसके ठीक दूरे कार्यवाहक में की जाएगी। यह भी सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित में इस न्यायालय के सम्मक्ष उपस्थित नहीं होने को दावा में उत्तर वाद में सुनवाई/ विचारण आपकी अनुपस्थिति में विधि अनुसार किया जाएगा।

आतं तारीख 09.09.2026 को इस अदालत को नोटिस एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(श्रीमती हिमांशु जैन)

प्रथम अति. प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)

सुन

ग्रामीण अंचल में हरितालिका पर्व की धूम

पारंपरिक खेलों में हिस्सा लिया ग्रामीणों ने, तीज पर्व पर धार्मिक आयोजन भी हुए

हरिभूमि न्यूज ॥उतई

ग्राम महका कला में इस वर्ष तीजा पर्व अनोखे अंदाज में मनाया गया। ग्रामवासियों ने बहनों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया और शासकीय स्कूल में वर्ष 1977 से 2000 तक सेवाएं देने वाले पूर्व शिक्षकों को आमंत्रित कर सम्मानित किया। समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक कुरें चुनकड़ा, लोकनाथ वर्मा (उतई) तथा शासकीय हाई स्कूल रानीतराई की प्राचार्य पूर्णिमा ठाकुर (रिसाली) का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य पूर्णिमा ठाकुर ने कहा कि वर्षों बाद पुराने विद्यार्थियों से मिलना अत्यंत सुखद अनुभव है। तीज के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मटका फोड़, आलू दौड़ और रस्साकशी जैसी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह आयोजन सरपंच जितेंद्र वर्मा एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेश्वर ठाकुर ने किया। इस अवसर पर त्रिलोचन ठाकुर, रोमनाथ वर्मा, रामाधार यादव, युगल किशोर ठाकुर, प्रहलाद यादव, सुशील यादव, राजेंद्र सिन्हा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतवारी में धूमधाम से मनाया गया तीज पर्व

उतई। ग्राम मतवारी में इस बार तीज का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और अनोखे अंदाज में मनाया गया। श्री आदर्श जिस झांकी मतवारी के तत्वावधान में तीज पर्व के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया था, जिसमें गांव की माताओं-बहनों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन में मनोरंजन और संस्कृति का संगम देखने को मिला। महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी गई थीं, जिनमें पारम्परिक नृत्य प्रतियोगिता, मटकी फोड़, कुर्सी दौड़, रस्साकशी आकर्षक झांकी प्रस्तुति भी शामिल थीं। सभी प्रतियोगिताओं में माताओं-बहनों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया और आनंद उत्सव के साथ इस पर्व को मनाया। कार्यक्रम के अंत में समिति द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजनकर्ता पामेश्वर (पागू) साहू, अध्यक्ष लीमेश साहू, उपाध्यक्ष, भरत साहू, संचालक के साथ लक्ष्मीनारायण, राहुल साहू, फुलेश्वर, अमित, सुरज, मोहित, गजेंद्र, पूरब यादव, दिखन, दादू यादव, नवीन, देवतर, नैदलाल सहित पूरी समिति के सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शैलदेवी महाविद्यालय में मनाया तीज मिलन

अण्डा। शैलदेवी महाविद्यालय, अण्डा में हरतालिका तीज के पावन अवसर पर तीज मिलन समारोह का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस समारोह में आसपास की लगभग 20 ग्राम पंचायतों की महिला जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता, पारंपरिक वेशभूषा प्रदर्शन, तीज गीत, लोकगीत, एकल एवं समूहिक नृत्य तथा पारंपरिक खेलों सहित विभिन्न मनोरंजन गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में अछोटी की सरपंच झरन्ना दिल्लीवार, कुथरेल की सरपंच गीता गजपाल, जंजगिरी से गीता ठाकुर, चिंगरी से पुष्पा बाघमारे, झरिकाडीह से लक्ष्मी ठाकुर, मुंदेरा से प्रीति वल्लियार, परसखा से सत्यवती साहू, सिरसिदा से सरस्वती चन्द्रकार, चिरपोटी से पूजा चन्द्रकार, सुकुरी से ज्योति यादव, सिर्रां से भारती देवांगन, लिमोरा मरियापार से तिलेश्वरी, खुटेरी से नविता साहू, कुथरेल से पेमीन साहू, खप्परबारा से सुधा चन्द्रकार, भटगांव से भारती साहू, देवरी से कुसुम देशमुख, तिलोदा से लीना देशमुख, भरदखुर्द से रंजना पवार तथा कुथरेल की पंच कुसुम साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग की विकासखंड स्तरीय पठनवीर प्रतियोगिता में शामिल हुए बच्चे

हरिभूमि न्यूज ॥ओखरा मुष्टमुंदा

प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग (अछोटी) के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले के सभी पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित 'पठनवीर प्रतियोगिता' स्कूल, संकुल एवं जोन स्तर से होते हुए विकासखंड

- आज जिला स्तरीय रणनीति हेतु डाइट में होगी अहम बैठक

स्तर पर 9 सितंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह प्रतियोगिता पाटन, धमधा तथा दुर्ग (शहर एवं ग्रामीण) विकासखंडों में आयोजित की गई थी। डाइट के नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि यह प्रतियोगिता कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक सिद्ध हो रही है। इसमें विजय टाइम, वेग पठन, 'प्रतिभा तुम्हारी-पहचान हमारी', मैथ्स मैजिक, तर्क पहली और वेग



गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बुनियादी दक्षताओं पर जोर

सत्येंद्र शर्मा ने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग एवं माननीय शिक्षा मंत्री के निर्देशानुसार शत-प्रतिशत बच्चों में धाराप्रवाह पढ़ने, लिखने, बोलने, सुनने तथा गणितीय संकियाओं (जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग एवं कम से कम 25 तक पहाड़) की दक्षता विकसित की जानी है। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा विभाग की सभी इकाइयों प्रयासरत हैं। डाइट प्राचार्य के आदेशानुसार डाइट के संकाय सदस्य अपने-अपने प्रभार वाले विकासखंडों का शैक्षणिक अवलोकन कर विषय शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन (इनपुट्स) प्रदान कर रहे हैं। डाइट प्राचार्य पी. सी. मरकले ने बताया कि ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिता संपन्न होने के पश्चात अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इस संबंध में 16 सितंबर को डाइट अछोटी में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षण समन्वयक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बी.आर.सी. की एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। इस बैठक में जिला स्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने हेतु अखंड संवाक (शिक्षा) दुर्ग तथा पूर्व शिक्षा अधिकारियों व शिक्षाविदों से मार्गदर्शन देने का उद्देश्य किया गया है।

गणना जैसी विविध विधाओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धमधा विकासखंड के 93, पाटन विकासखंड के 96, दुर्ग ग्रामीण के 84 तथा दुर्ग शहर के 37

असंगठित कामगार और कर्मचारी कांग्रेस के उपाध्यक्ष बने लक्ष्मीनारायण

हरिभूमि न्यूज ॥कुम्हारी

असंगठित कामगार व कर्मचारी कांग्रेस के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जि ला ध्य क्ष राहुल वर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष अ पि पे क बोरकर के निर्देशन और प्रदेश महासचिव कार्यालय प्रभारी राम सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में कार्यकारिणी की घोषणा की है। जिसमें कुम्हारी के लक्ष्मीनारायण मारकंडे को उपाध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उनके इस नवीन दायित्व के लिए स्थानीय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। लक्ष्मीनारायण मारकंडे ने विधायक भूपेश बघेल एवं चैतन्य बघेल सहित समस्त कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए

पाटन भाजपा मंडल ने नियुक्त किए ग्राम और बूथ प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ॥उतई

भारतीय जनता पार्टी पाटन मंडल द्वारा राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार '25 वर्ष सेवा संकल्प अभियान' को ग्राम स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए मंडल क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों और बूथों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। यह जनसेवा अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। मंडल स्तर पर अभियान के सफल संचालन की जिम्मेदारी मंडल संयोजक खेमलाल साहू तथा सह-संयोजकों को सौंपी गई है। अभियान के अंतर्गत 'आशीर्वाद का दिया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा' तथा 'सेवा मेरा योगदान' जैसे अनेक रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जारी सूची के अनुसार गभरा, करगा, रेवली, राखी, पहडोर, बेंद्री, करसा, घुघुवा, अचानकपुर, दौर, मुड़पार, चुनकड़ा, महका कला, महका खुर्द, परेवाडीह, पतौरा, डेउरझाल, सेलुद, गोइण्डरी, छाटा, फुंडा, पुनईडीह, देवावा, अरसनारा, चीचा, पेंदर, नवागांव, देमार, बठेना, तुलसी, चिंगोरी, सिकोला, ठाकुराइन टोला, सिककोन्हा, सोनपुर, पाटन, अखरा, अटारी एवं खोर्पा सहित अनेक ग्रामों में प्रभारियों को दायित्व सौंपा गया है। मंडल संयोजक खेमलाल साहू ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य संगठन की सेवा भावना के गाँव-गाँव तक पहुँचाना और अधिक से अधिक ग्रामीणों को जनकल्याणकारी कार्यों से जोड़ना है। ग्राम व बूथ प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में शक्ति के दूर प्रभारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

HEALTH TOWN

डॉ. सी.पी.सिंह (एनबीटीएल, एनबी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह (एनबीटीएल, पी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

9009553889, 9090204620

फकत नगर, अनेकवार चौक के पास, सुविधाएँ संपूर्ण शिव - मातृ स्मृति नगर, गायत्री मंदिर के सामने, सुविधाएँ, संपूर्ण

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेडरिनी, चिल्ड्रन एवं सज्जिल हॉस्पिटल

अत्यंत सुविधाएँ

- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- गर्भवती एवं लीजरेजिन डिलीवरी
- एवं बच्चे की का ऑपरेशन व नलबंदी
- सर्वसुविधासुलभ PICU, NICU, OT

● बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हार्डिग, लार्जडिली, सरकन लीजन की सुविधा

● आयुजान कार्ड और CSEB से कैंसरलेस उपचार

● TPA की सुविधा

एडवांस्ड यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिन्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

DR. ABHISHEK GAWRI MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology) Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

१ सरस्वती दल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। १ मनसा चैम्बर, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडीह मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

अंचल की खबरें

संवत्सर महापर्व पर गुंजा 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' का संदेश



जामगांव आर। भखारा राल जैन समाज के 25 गांवों के सदस्यों ने जप, तप, उपवास और एकासना करते हुए संवत्सरी महापर्व का प्रतिक्रमण किया। इनमें भखारा, सेमरा, कुरुद, गातापार, बोरझारा, कोरा, भाटागांव, देवरी, खोरपा, जामगांव जी, निपानी, भेलवाकुदा, तरंगोदी, सुरपा, औदरागहन, बटरेल, बेलहारी, पंचपेड़ी, रानितराई, जामगांव-आर, कसही, मरा, गुजरा, पेंदर और नवागांव की भागीदारी रही। प्रतिक्रमण के पश्चात सभी ने वर्षभर में मन, वचन और काया से हुई भूलों के लिए एक-दूसरे से हाथ जोड़कर क्षमायाचना की। आठ दिवसीय उपवास के साथ संवत्सर प्रतिक्रमण करने वाले 25 वर्षीय युवा तपस्वी हर्ष चौरडिया ने कहा कि संवत्सरी भगवान महावीर की विरासत का महापर्व है, जो क्षमा का संदेश देता है। क्षमा वीरों का आभूषण है और सच्चे मन से क्षमा मांगने से मन के सारे विकार दूर हो जाते हैं।

सेवा संकल्प अभियान : प्रज्वलित होंगे 'आशीर्वाद के दीये'

अण्डा। दुर्ग जनपद क्षेत्र अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' संचालित किया जाएगा। इसके तहत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाकर सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। साथ ही गांवों के विभिन्न बाड़ों, शासकीय भवनों, आरोग्य केंद्रों, आंगनवाड़ियों, उपस्वास्थ्य केंद्रों, गौधामों तथा प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थियों के घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर, जल संरक्षण, स्वच्छता, 'एक पेड़ मां के नाम' पौधरोपण, शासकीय उपलब्धियों पर नुककड़ नाटक, जनजागरूकता, सेवा ज्योति यात्रा, नशा मुक्त भारत कार्यक्रम एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य आयोजित होंगे।

26वीं जूनियर बालक कबड्डी चयन स्पर्धा कल

जामुल-मुर्मुंदा। छत्तीसगढ़ राज्य की 26वीं जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप 2 से 4 अक्टूबर 2026 तक पंडरिया (केवर्धा) में आयोजित की जाएगी। इसके लिए चयन स्पर्धा 17 सितंबर गुरुवार शाम 5:00 बजे इंडोर स्टेडियम, विश्व बैंक कॉलोनी, भिलाई-3 में होगी। यह निर्णय भिलाई-चरौदा एरिया कबड्डी संघ की बैठक में लिया गया। स्पर्धा में 20 वर्ष से कम आयु (जन्म 4 नवंबर 2006 के बाद) वाले खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। भिलाई नगर, बीएसपी भिलाई और भिलाई-चरौदा निगम क्षेत्र की टीमों इसमें हिस्सा लेंगी। राज्य संघ के निर्देशानुसार सभी टीमों भिलाई-चरौदा निगम के नाम से खेलेंगी। खिलाड़ियों को अपनी 10वीं की अंकसूची, आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र के साथ समय पर उपस्थित होकर पंजीयन कराना अनिवार्य है।

गणेश चतुर्थी पर रामधुनी परिवार की प्रस्तुति



उतई। नवजागरण गणेश उत्सव समिति, झुरडीह (उतई) द्वारा तीजा व गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर निर्जला व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए विशेष फुलेरा दर्शन एवं सांस्कृतिक रामधुनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जय माँ सरस्वती रामधुनि परिवार (देहान, बांधाबाजारी) ने शिव-पार्वती भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। महिलाओं ने फुलेरा दर्शन कर भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना की और अपने पतियों की दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में गजेंद्र वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, मोहन साहू, गजेंद्र चक्रधारी, अमित यादव, चंद्रकांत बम्भोले, चिंतामणि बम्भोले, रोहित यादव, बंटी हिमर, कमलकांत यादव, गोल् यादव, रतन साहू, रोशन यादव तथा समिति के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

पूर्व सरपंच की क्रान्तिकार टिप्पणी निंदनीय: अनंत

उतई। ग्राम पंचायत सेलुद के सतनामी समाज अध्यक्ष सेवाराम अनंत ने पूर्व सरपंच खेमलाल साहू द्वारा सोशल मीडिया चैट में वर्तमान सरपंच व तहसील सतनामी समाज युवा अध्यक्ष खिलेश मारकंडे के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा की है। सेवाराम अनंत ने कहा विशेष जताते हुए कहा कि एक पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा सतनामी समाज के प्रतिनिधि के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण, ओझी मानसिकता और सामाजिक सोहार्द बिगाड़ने वाला है। वायरल चैट में खेमलाल साहू ने गाँव में होने वाली प्राकृतिक या अन्य दुर्घटनाओं को वर्तमान सरपंच से जोड़कर निराधार और भ्रामक आरोप लगाए हैं, जो उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास है।

सतनामी समाज और ग्राम पंचायत सेलुद के सतनामी समाज के पंचों ने पूर्व सरपंच के इस कृत्य की घोर निन्दा की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि खेमलाल साहू अपनी अमर्यादित एवं द्वेषपूर्ण टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो समाज द्वारा उनके विरुद्ध उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी मिलाई के शोधकर्ताओं ने विकसित किया 4डी-प्रिंटेबल स्मार्ट हाइड्रोजेल

हरिभूमि न्यूज़ ►► मिलाई

आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं ने एक बहुउद्देशीय स्मार्ट हाइड्रोजेल विकसित किया है, जो गर्म करने पर अपना आकार बदल सकता है और साथ ही अपशिष्ट जल से प्रदूषकों को हटाने में भी मदद कर सकता है। यह नई सामग्री सॉफ्ट रोबोटिक्स, स्मार्ट एक्ट्यूएटर्स और पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में भविष्य के उपयोग की संभावनाएं रखती है। शोध दल में सुदीपा पॉल, प्रियंक सिन्हा, अमूल जैन और डॉ. संजीव बनर्जी शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए फोर-आर्म स्टार पॉलिमर को ऐक्रेलिक एसिड, ऐक्रेलामाइड और पीईजीडीए के साथ मिलाकर यह हाइड्रोजेल तैयार किया। इसे यूवीए प्रकाश की मदद से तेजी से तैयार किया जा सकता है और विभिन्न संरचनाओं में ढाला जा सकता है, जिससे भविष्य में आकार बदलने वाले स्मार्ट उपकरणों के निर्माण की संभावनाएं बढ़ती हैं।

खबर संक्षेप

हादसे में बाल-बाल बचे निगम

के अधिकारी-कर्मचारी

भिलाई। तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक चलाए जा रहे ट्रक ने नगर निगम की इंडिगो कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार भिलाई नगर निगम कर्मचारी और अधिकारी बाल-बाल बच गए। घटना में कार का पिछला दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। मामले में जामुल पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी पवन रजक नगर निगम भिलाई में प्लेसमेंट पर इाइवरी का काम करता है। 14 सितंबर को वह इंडिगो कार क्रमांक सीजी 07 एमबी 5449 में प्रभारी कार्यापालन अभियंता अनिल सिंह को बैठकर तेलहा नाला से मंदर टेरेसा नगर स्थित मौर्या चंद्रा, जोन क्रमांक 03 कार्यालय भिलाई जा रहा था। दोपहर करीब 1.30 बजे दोनों छावनी चौक के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 04 जी 8720 के चालक ने वाहन को तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक लहराते हुए खतरनाक तरीके से चलाया और कार को बाईं तरफ से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पवन रजक और अधिकारी अनिल सिंह को किसी तरह की चोट नहीं आई और दोनों बाल-बाल बच गए। प्रार्थी की शिकायत पर जामुल पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को मिला सम्मान



भिलाई। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा को सिडको प्रदर्शनी केन्द्र, वाशी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी दिवस-2026 एवं 'छठे राजभाषा सम्मेलन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग को वर्ष 2025-26 के लिए राजभाषा नीति के तहत प्रभावी प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ नराकास' की श्रेणी में 'नराकास प्रोत्साहन, सम्मान' प्रदान किया गया। गृह सचिव अंशुलुी राय और समारोह के अध्यक्षत गृह मंत्री अमित शाह और विशिष्ट अतिथि देवेन्द्र फडनवीस, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र तथा उप मुख्यमंत्री सुनेश पवार व एकनाथ शिंदे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग के लिए हुए पुस्कार वप्रमाण पत्र महाप्रबंधक बीएसपी के जीएम राजीव कुमार एवं तत्कालीन सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति व उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ग्रहण किया। पुस्कार प्राप्ति पर बीएसपी के निदेशक व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग ईंदी पवन कुमार व जीएम अमृत्यु प्रियदर्शी ने शुभकामनाएं दीं।

कल से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

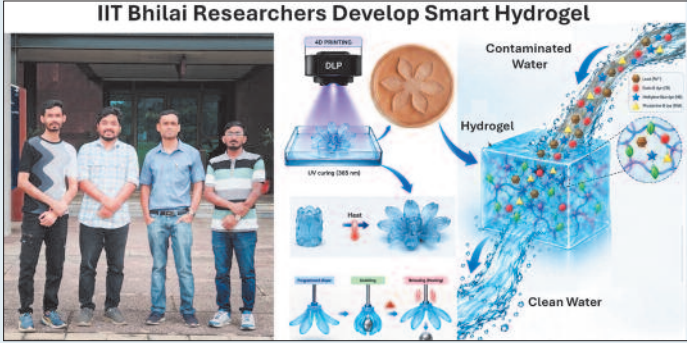
नागरिक सहभागिता के साथ होंगी जनसेवा व स्वच्छता गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज़ ►► मिलाई

राज्य शासन के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक “सेवा संकल्प अभियान” का आयोजन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य नगरीय निकाय से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रभावी एवं समग्रबद्ध क्रियान्वयन करते हुए अधिकतम नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान आयोजित प्रत्येक गतिविधि का फोटो एवं वीडियो सहित समुचित दस्तावेजीकरण एवं रिपोर्टिंग भी की जाएगी।

अभियान के अंतर्गत “आशीर्वाद का दीया” कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर की संध्या प्रत्येक परिवार स्तर पर दीप प्रज्वलन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार एवं नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसी क्रम में “25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत” के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर इंड्रॉय एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। संबंधित विद्यालयों से समन्वय कर प्रतियोगिता के लिए आवश्यक स्थान, साफ-सफाई एवं मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

सॉफ्ट एक्ट्यूएशन और पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण के लिए किया आविष्कार



इस तरह है हाइड्रोजेल की प्रमुख विशेषता

इस हाइड्रोजेल की प्रमुख विशेषता इसका शेप-मेमोरी व्यवहार है। शोधकर्ताओं ने फूल जैसी संरचना के माध्यम से इसका प्रदर्शन किया, जो गर्म करने पर खुल जाती है। सामग्री ने लगभग 94 प्रतिशत शेप फिक्सिटी और 85 प्रतिशत शेप रिकवरी प्रदर्शित की तथा लगभग 25 सेकंड में अपने प्रोग्राम किए गए आकार में वापस आ गई। बार-बार किए गए चक्रों के दौरान भी इसने अपना प्रदर्शन बनाए रखा। हाइड्रोजेल ने मजबूत यांत्रिक क्षमता भी दिखाई। एक प्रदर्शन में केवल 1 ग्राम सूखा हाइड्रोजेल 250 ग्राम के धातु भार को बार-बार उठा सका, जो हल्के सॉफ्ट एक्ट्यूएटर्स और रोबोटिक प्रणालियों के लिए इसकी संभावनाओं को दर्शाता है।

जल शुद्धिकरण के लिए भी हुआ परीक्षण

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस सामग्री का परीक्षण जल शुद्धिकरण के लिए भी किया गया। हाइड्रोजेल ने पानी से मेथिलीन ब्लू, रोडामाइन बी और इंडोसिन बी जैसे कार्बनिक रंगों के साथ-साथ विषैले लेड (Pb) आयनों को हटाने की क्षमता दिखाई। आकार बदलने की क्षमता, यांत्रिक मजबूती और प्रदूषक हटाने की इन क्षमताओं का एक ही सामग्री में संयोजन इसे बहुउद्देशीय अनुप्रयोगों के लिए विशेष रूप से संभावनाशील बनाता है। यह अध्ययन पीयर-रिव्यू जर्नल स्मॉल मेथड्स में प्रकाशित हुआ है।शोधकर्ताओं के अनुसार, विकसित हाइड्रोजेल प्लेटफॉर्म भविष्य में ऐसे स्मार्ट और 4D-प्रिंटेबल पदार्थों के विकास का आधार बन सकता है, जिनमें प्रोग्राम किए गए आकार परिवर्तन और पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण जैसी क्षमताएं एक ही हाइड्रोजेल प्रणाली में एक साथ मौजूद हों।

रिसाली दशहरा मैदान में कल जलेगा आशीर्वाद का दीया, 51 हजार दीपों से जगमगाएगा



हरिभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत रिसाली दशहरा मैदान में 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सामूहिक रूप

हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। नगर निगम के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल की स्वच्छता और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि यह केवल दीया जलाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा, समर्पण और सुशासन के

कार्यकाल के प्रति आभार व्यक्त करने और जनता का आशीर्वाद पहुंचाने

तैयारियों को लेकर रिसाली नगर पालिक निगम सभागार में विधायक ललित चंद्राकर ने महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, रिसाली मंडल तथा मरोदा-पुरेना मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि रिसाली विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ पर 100 दीये जलाए जाएंगे। इसके साथ ही शहर के प्रमुख स्थलों पर विशेष दीप सजा एवं दीप प्रज्वलन किया जाएगा। रिसाली दशहरा मैदान में शाम 5 बजे से कार्यक्रम स्थल की साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था और ध्वनि-प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। शाम 6 बजे से 6:30 बजे तक भव्य रंगोली प्रदर्शन होगा। इसके बाद शाम 7 बजे सामूहिक रूप से 51

कार्यकाल के प्रति आभार व्यक्त करने और जनता का आशीर्वाद पहुंचाने उन्होंने कहा कि रिसाली की जनता आशीर्वाद के दीयों के माध्यम से प्रधानमंत्री के प्रति अपना आभार व्यक्त करेगी। बैठक में रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल, महामंत्री दशरथ साहू, नरेन्द्र निर्मलकर, पुनाराम कलिहारी, गुड्डू झा, जिला मंत्री शैलेंद्र शेंडे, नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शीखा तिवारी, शकुंतला दास, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रूपेश यादव, मनोज साहू, विधायक प्रतिनिधि गोविंद साहू और सोनू राज सिंह सहित निगम कर्मचारी, रिसाली एवं मरोदा-पुरेना मंडल के पदाधिकारी, पार्षद, शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दुर्ग संभाग में किताबों की कमी अब तक बनी रहने की वजह से पढ़ाई पर पड़ रहा असर

तिमाही परीक्षा से पहले 1.31 लाख किताबों का टोटा, दुर्ग व बेमेतरा जिला सबसे ज्यादा प्रभावित

देवीलाल साहू ►►मिलाई

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को समय पर किताबें उपलब्ध कराने के दावे फेल हो गए हैं। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए तीन महीने से अधिक समय बीत चुका है और इसी महीने तिमाही परीक्षाएं भी प्रस्तावित हैं, लेकिन दुर्ग संभाग के स्कूलों में अब तक करीब 1 लाख 31 हजार 64 पाठ्यपुस्तकों की कमी बनी हुई है। पुस्तक वितरण के बाद भी विभिन्न जिलों में हजारों विद्यार्थियों को सभी विषयों की किताबें नहीं मिल पाई हैं। इसका सीधा असर पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी पर पड़ रहा है। सबसे अधिक कमी दुर्ग, बेमेतरा और बालोद जिले में है। हालात इतने गंभीर हैं कि कक्षा 9वीं और 10वीं के हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों को कई विषयों की पुस्तकों का इंतजार है।



दुर्ग व बेमेतरा जिले में सबसे ज्यादा किताबें नहीं मिली विद्यार्थियों को

समागीय आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा किताबों की कमी से शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के दुर्ग जिले में बनी हुई है। दुर्ग जिले में दुर्ग में 39,814 किताबों की अब भी कमी है। दूसरे नंबर पर बालोद जिले में किताबों की कमी है। इस जिले में 20,560, बेमेतरा में 38,616, कबीरधाम में 19,181, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 1,722 तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 5,171 किताबों की जरूरत है। इस प्रकार कुल 1,31,064 किताबें अभी भी चाहिए।

नवमी की नैतिक व योग

शिक्षा की सबसे ज्यादा कमी

शिक्षा विभाग द्वारा संकलित जानकारी के अनुसार बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में कई विषयों की पुस्तकें अभी भी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। सबसे अधिक कमी कक्षा 9वीं की नैतिक मूल्य एवं योगशिक्षा पुस्तक में दिखाई दे रही है। केवल दुर्ग जिले में ही इस विषय की 805 पुस्तकों की आवश्यकता दर्ज की गई है, जबकि बालोद में 593 और बेमेतरा में 402 पुस्तकों की जरूरत बताई गई है।

जिलेवार पुस्तकों की आवश्यकता

जिला	पुस्तकों की आवश्यकता
दुर्ग	39,814
बेमेतरा	38,616
बालोद	20,560
कबीरधाम	19,181
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	1,722
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	5,171
कुल	1,31,064

हिन्दी, अंग्रेजी, साइंस, गणित आदि की किताबों का टोटा

कक्षा 9वीं हिंदी विषय की 498 पुस्तकें बालोद जिले में आवश्यक हैं। इसी प्रकार प्लाइट इंग्लिश रीडर की 546 पुस्तकें बालोद तथा 33 पुस्तकें दुर्ग जिले में कम हैं। विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों की पुस्तकों की भी कई जिलों में कमी बनी हुई है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण दिखाई दे रही है। कक्षा 9वीं मैथेमेटिक्स की 837 पुस्तकें बेमेतरा, 538 दुर्ग और 105 कबीरधाम में आवश्यक हैं। वहीं सोशल साइंस और साइंस विषय की सैकड़ों पुस्तकें भी उपलब्ध नहीं हो सकी हैं।

मिडिल स्कूल के भी विद्यार्थी किताबों की कमी से जूझ रहे

मिडिल स्कूलों के अलग- अलग कक्षाओं के कई विद्यार्थियों को भी किताबें नहीं मिल पाई हैं। सहायक वाचन, मल्टर हिन्दी, पूर्वी इतिहास, खेल यात्रा, वीणा हिन्दी, संतूर इंग्लिश, पर्यावरण, गणित मेला आदि किताबों की कमी बनी हुई है। किताबों का समायोजन भी जिला शिक्षा विभाग ने किया है नहीं तो यह स्थिति और ज्यादा गंभीर होती।

तैयारी पर पड़ रहा है असर

विद्यार्थियों ने बताया कि तिमाही परीक्षा नजदीक है। बिना किताबों के परीक्षा की तैयारी घर पर करना मुश्किल हो जा रहा है। उनका कहना है कि यदि समय पर पुस्तकें उपलब्ध नहीं हुईं तो विद्यार्थियों की तैयारी अधूरी रह जाएगी। इधर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की निगाहें शिक्षा विभाग पर टिकी हैं। उम्मीद की जा रही है कि विभाग शेष पुस्तकों की आपूर्ति जल्द पूरी कर स्कूलों तक पहुंचाएगा, ताकि तिमाही परीक्षा से पहले छात्रों को आवश्यक अध्ययन सामग्री मिल सके और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो।

एक किताबों से कई विद्यार्थियों की हो रही पढ़ाई

किताबों की कमी के चलते अध्यापन कार्य प्रभावित है। शिक्षक बताते हैं कि कई स्थानों पर छत्र एक ही पुस्तक से दो या तीन बच्चों को पढ़ाई करने के लिए मजबूर हैं। कुछ विद्यार्थियों को फोटोकॉपी या नोट्स के सहारे अध्ययन करना पड़ रहा है। गाँगीण क्षेत्रों के स्कूलों में यह समस्या अधिक गंभीर बताई जा रही है, क्योंकि वहां ऑनलाइन अध्ययन सामग्री तक पहुंच भी सीमित है। सत्र की शुरुआत में पुस्तकें उपलब्ध नहीं होने से पाठ्यक्रम पूरा करने में कठिनाई आ रही है और इसका सीधा असर परीक्षा परिणामों पर पड़ सकता है।

पाठ्यपुस्तक निगम से आ रही हैं किताबें

दुर्ग संभाग के जिलों से रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट को पाठ्यपुस्तक निगम को भेज दी गई है। वहां से पुस्तकों की खेप भी आनी शुरू हो गई है। कहीं पर अधिक पुस्तकें भी भेज दी गई थीं उसे समायोजित भी कर दिया है ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो।

डॉ. केवीके राव, संयुक्त संचालक, दुर्ग शिक्षा संभाग

सेल के 12 अधिकारियों की हुई समयपूर्व सेवानिवृत्ति

हरिभूमि न्यूज़ ►►मिलाई

सेल के 12 अधिकारियों के विरुद्ध सेल सीडीए नियम के तहत समयपूर्व सेवानिवृत्ति आदेशों को वापस लेने के लिए ओए ने चौतरफा तरफा दबाव बनाना तेज कर दिया है। सेफ़ी के इस्पात मंत्री से मांग के बाद अब ओए ने दुर्ग के सांसद विजय बघेल से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। कहा है कि अनिवार्य रिटायरमेंट से अफसरों को मजबूत गिरेगा। इसे देखते हुए इस प्रक्रिया को जल्द वापस लिया जाए। सेफ़ी चेयरमेन एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन, बीएसपी के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर, ओए-बीएसपी के महासचिव अंकुर मिश्रा व सेफ़ी नॉमिनी श अखिलेश मिश्रा ने लोकसभा सांसद बघेल को पत्र देकर सेवानिवृत्ति का प्रावधान एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था है, लेकिन इसका प्रयोग अत्यंत सावधानी, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाना आवश्यक है। इस प्रकार के



- ओए ने सांसद बघेल से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की

निर्णय का संबंधित अधिकारियों के साथ उनके परिवारों व संगठन में अधिकारियों के मनोबल, विश्वास तथा कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

सेफ़ी चेयरमेन व ओए-बीएसपी अध्यक्ष श्री नरेन्द्र कुमार बंछोर ने कहा कि समयपूर्व सेवानिवृत्ति जैसे गंभीर निर्णयों में पर्याप्त

पारदर्शिता एवं वस्तुनिष्ठता सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्य निष्पादन मूल्यांकन में दिए जाने वाले ग्रेड, विशेष रूप से Cग्रेड, यदि ऐसे निर्णयों को प्रभावित करते हैं तो उसकी भी समुचित समीक्षा होनी चाहिए, ताकि मूल्यांकन अधिकारी के वास्तविक योगदान एवं कार्य निष्पादन को निष्पक्ष रूप से प्रतिबिंबित करे। ओए-बीएसपी महासचिव श्री अंकुर मिश्रा ने कहा कि किसी भी अधिकारी के विरुद्ध सत्यनिष्ठा, आचरण अथवा चिकित्सकीय रूप से कार्य करने की क्षमता से संबंधित कोई वास्तविक चिंता होने पर संबंधित सेल नीतियों के अंतर्गत निर्धारित विभागीय, सतर्कता अथवा चिकित्सकीय प्रक्रियाओं का विधिवत पालन किया जाना चाहिए। पत्र में 12 कार्यपालक अधिकारियों के विरुद्ध जारी औचित्यहीन समयपूर्व सेवानिवृत्ति आदेशों को वापस करवाने, कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली और सी ग्रेड दिए जाने की प्रक्रिया को समीक्षा कराने पर जोर दिया है।

सेवा सेतु अभियान

पर लगेगे शिफ्ट

अभियान के तहत “सेवा सेतु अभियान—सरकार आपके द्वार” के माध्यम से शिविरों में नागरिक सेवाओं के काउंटर/हेल्प डेस्क, आवेदन एवं शिकायत पत्रिका, मौके पर निराकरण तथा लंबित प्रकरणों का फॉलोअप किया जाएगा। इसके साथ ही रंगोली राष्ट्र/भारत मंडल अभियान एवं राष्ट्रीय इनीवेशन वेलेंज के माध्यम से स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन, डिजिटल सेवाओं, यातायात एवं शहरी पर्यावरण से जुड़े नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

नमो सेवा गाथा पर नुककड़ नाटक

नमो सेवा गाथा के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, बाजारों एवं चौक-चौराहों पर नुककड़ नाटकों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आंगन का उत्सव के तहत 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आंगनबाड़ी केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, मूलभूत व्यवस्थाओं तथा माताओं, हितवाहियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित होंगे।

विकसित भारत पर सेवा उद्योति यात्रा: अभियान के दौरान निगम की योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित हितवाहियों की “कहानी बदलाव की” के रूप में सफलता की वास्तविक कहानियां संकलित की जाएंगी। साथ ही “विकसित भारत संकल्प यात्रा” के अंतर्गत बस्तर सहित परिवर्तनकारी स्थलों/दिवसीय यात्राओं का आयोजन तथा 7 अक्टूबर को “सेवा उद्योति यात्रा” का आयोजन किया जाएगा। “जल जब सेवा संकरूप” के अंतर्गत बालाब, कुपूर, जलखोत एवं सार्वजनिक जल परिसरों की स्वच्छता एवं सुधार, जल संरक्षण संबंधी जनजागरूकता तथा विद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्थानीय संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 10,900/-

रायपुर, विलासपुर, चाम्पा, रायगढ़ से होकर

स्पेशल ट्रेन 15

18 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 (8 दिन)

गंगा सागर यात्रा

गंगा सागर, श्री जगन्नाथ पुरी, माँ कामाख्या देवी, कोलकाता (दक्षिणेश्वर काली मंदिर, कालीघाट काली मंदिर, बेलूर मठ)

ऑफर राशि: **रु.10,900/-** | 3 एसी-18,500/- | 2 एसी 23,500/- (+₹5 GST)

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

●।। आपकी आस्था, हमारी सेवा ।।●

RAIPUR- D-36 Sector-4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411

साहे तीर्थ बार बार... यमा सागर एक बार

गंगा सागर तीर्थ यात्रा

गंगा सागर, कामाख्या देवी, बाबा वैजनाथ धाम, श्री जगन्नाथपुरी, कलकत्ता, काशीघाट, दक्षिणेश्वर काली मंदिर, उममंदिर ब्रह्मपुत्र नदी, भुवनेश्वर, तिगारा, कोणार्क, कपिल मुनि मंदिर, साखी गोपाल, उमठारा, दरमहाखिला नवखर, गुवाहटी

यात्रा दिनांक

27 अक्टूबर 2026
17 नवंबर 2026
24 नवंबर 2026
8 दिसंबर 2026
22 दिसंबर 2026
29 दिसंबर 2026
12 जनवरी 2027

स्वामी तीर्थ यात्रा

संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दूरी पर तीर्थ यात्रा

911111866, 8275757579

Head Office : ग्राउण्ड फ्लोर सिटी सेंटर मॉल पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

लाइव इवेंट

बेटियों को सीता, सावित्री और मीराबाई के आदर्शों से जोड़ें- राजीव कृष्ण



दुर्ग। गंजपारा स्थित बाबा रामदेव मंदिर में इन दिनों भक्ति और अध्यात्म का वातावरण बना हुआ है। बाबा रामदेवजी के जन्मोत्सव के अवसर पर 13 से 19 सितंबर तक आयोजित श्री देवी महात्म्य कथा के द्वितीय दिवस कथा वाचक गोवत्स पंडित राजीव कृष्ण महाराज ने मां आदि शक्ति की महिमा का वर्णन करते हुए जीवन में संस्कार, शिक्षा और अध्यात्म के महत्व पर प्रकाश डाला।

कथा के दौरान उन्होंने कहा कि मां आदि शक्ति सर्वत्र व्याप्त हैं और उनकी कृपा से ही सृष्टि का संचालन होता है। मनुष्य का जीवन केवल सांसारिक विषयों और भोग-विलास के लिए नहीं मिला, बल्कि ईश्वर की भक्ति, आत्मकल्याण और समाज के हित में जीवन को सार्थक बनाने के लिए मिला है। देवी भागवत कथा के श्रवण से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होता है।

छात्राओं को आदर्श चरित्रों की शिक्षा जरूरी

आज के समय में बच्चों को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए, इस सवाल पर राजीव कृष्ण महाराज ने कहा कि छात्राओं को सीता, सावित्री, दमयन्ती, लीलावती और मीराबाई जैसे आदर्श चरित्रों से परिचित कराया जाना चाहिए। इन महान नारियों के जीवन से संस्कार, साहस, समर्पण और आत्मविश्वास की प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही बालिकाओं को शिल्प, विज्ञान, गृहकार्य और आत्मरक्षा जैसी व्यावहारिक शिक्षा भी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि कुछ बालक ब्रह्मचारी और बालिकाएं ब्रह्मचारिणी बनकर देश-देश और गांव-गांव में अध्यात्म का प्रसार करें। ब्रह्मचारिणियां विशेष रूप से महिलाओं के बीच अध्यात्म और संस्कार की शिक्षा का विस्तार करें। कथा के दौरान भक्ति रस से ओत-प्रोत भजनों ने वातावरण को श्रद्धा और शांति से भर दिया। कथा प्रतिदिन रात 8 बजे से देर रात तक चल रही है। श्रद्धालुओं के लिए रोज प्रसादी की व्यवस्था भी की गई है। इस अवसर पर कृष्णकांत दुबे, राकेश दुबे, रणछोर भूतड़ा, कृष्ण कुमार टावरी, अशोक राठी, दीपक गांधी, राधेश्याम चांडक, नरेंद्र राठी, अमरचंद गांधी, नंदकिशोर चांडक, हेमंत टावरी, गोपाल भट्टड़, राजकुमार केला, प्रीति साबू, कंचन टावरी, मनीषा राठी, निखिल भूतड़ा, उदित राठी, ओम चांडक, यश बियानी, रामदेव टावरी, अनिल केला, अनिल राठी, संतोष यादव, संतोष चांडक, गोविंद गुप्ता, मुकेश राठी, शरद भूतड़ा, तरुण राठी, सूरज राठी सहित सैकड़ों धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

लघुरुद्र, अभिषेक, सामूहिक पारायण और कीर्तन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



भिलाई। ऋषि पंचमी और संत गजानन महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को हुडको भिलाई और दुर्ग स्थित गजानन मंदिरों में दिगम्बर धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। सुबह से ही मंदिरों में मंत्रोच्चार, अभिषेक और पूजा-अर्चना के साथ भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर संत गजानन महाराज का आशीर्वाद लिया। हुडको स्थित गजानन मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत गणपति पूजन से हुई। हुडको मंदिर के आयोजन की जानकारी देते हुए गजानन गुणगान मंडल के अध्यक्ष वसंत कापरे और राजेंद्र जपे ने बताया कि हर्षवर्धन वझे के नेतृत्व में 11 ब्राह्मणों ने लघुरुद्र का आयोजन किया। लघुरुद्र पाठ के दौरान मंदिर परिसर मंत्रोच्चार से गुंजता रहा। अनुष्ठान के समापन पर श्रद्धालुओं की प्रसाद वितरित किया गया। दोपहर में नागपुर से आए प्रसिद्ध कीर्तनकार भास्कर बुवा इंदूरकर ने कीर्तन प्रस्तुत किया। भक्ति और आध्यात्मिक संदेश से ओतप्रोत उनके कीर्तन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं दुर्ग मंदिर के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर के उपाध्यक्ष प्रमोद बेंडे ने बताया कि संत गजानन महाराज मंदिर, दुर्ग में भी पुण्यतिथि एवं ऋषि पंचमी के अवसर पर विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। सुबह 6 बजे महाराज का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया गया। इसके बाद षोडशोपचार पूजा संपन्न हुई। सुबह 11 बजे 21 भक्तों ने सामूहिक रूप से गजानन विजय ग्रंथ का श्रृंखलाबद्ध पारायण किया। इसके पश्चात महाआरती और महाप्रसाद का वितरण हुआ।

शाम 5 बजे गजानन भजनी महिला मंडल की सदस्यों ने भजनों की प्रस्तुति दी। भक्ति गीतों से मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय हो उठा। रात 7 बजे आरती के साथ दिगम्बर चले धार्मिक कार्यक्रमों की सांगता हुई।



● सेक्टर-1 में मछलियों के बीच विराजे मीन बप्पा, समुद्री दुनिया देखने उमड़ रही भीड़

नाव से समुद्र की गहराइयों में उतरे श्रद्धालु, नारियल रूप में मिले 18 फीट के मीन बप्पा बने आकर्षण का केंद्र, गूंजे जयकारे

भिलाई। नाव में सवार होकर समुद्र की गहराइयों में उतरने का एहसास... चारों ओर तैरती रंग-बिरंगी मछलियां, समुद्री जीवों की आकर्षक आकृतियां और इसी जलीय दुनिया के बीच नारियल स्वरूप में विराजे 18 फीट के गणपति बप्पा। सेक्टर-1, सड़क नंबर 11 में इस बार गणेशोत्सव का नजारा कुछ ऐसा ही है। सीजी मिरर्स कल्चरल ग्रुप गणेश उत्सव समिति के 29वें वर्ष में तैयार किया गया मीन (मछली) बप्पा धाम गणेशोत्सव शुरू होते ही श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गया है। सोमवार से गणेश पूजा की शुरुआत के साथ ही पंडाल में दर्शन के लिए लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। समुद्री दुनिया की बारीक नक्काशी, सजावट और विशाल गणपति प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।



नाव से शुरू होती है समुद्री दुनिया की यात्रा

‘मीन बप्पा धाम’ की सबसे खास बात है कि श्रद्धालुओं को पंडाल में प्रवेश करते ही एक अलग दुनिया में पहुंचने का अनुभव होगा। यात्रा की शुरुआत एक बड़ी नाव से होती है। आगे बढ़ते ही समुद्र की गहराइयों का दृश्य सामने आता है। जगह-जगह मछलियां और समुद्री जीव तरह बनाए गए हैं कि मानो वे पानी के भीतर तैरते हुए श्रद्धालुओं का रास्ता देख रहे हों। समुद्री वातावरण को जीवंत बनाने के लिए सजावट और नक्काशी में बारीक काम किया गया है। यही रचनात्मकता लोगों को कुछ देर रुककर हर दृश्य को देखने के लिए मजबूर कर रही है।



नारियल रूप में 18 फीट के बप्पा

समुद्री दुनिया को इस अनोखी यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण है 18 फीट ऊंचे गणपति बप्पा। प्रतिमा को नारियल के स्वरूप और आकार की कल्पना पर तैयार किया गया है। समुद्र और मीन थीम के बीच बप्पा का यह अनूठा रूप श्रद्धालुओं को खासा आकर्षित कर रहा है। प्रतिमा का निर्माण थनोद के राजेश चक्रधारी ने किया है। समिति ने इस बार प्रतिमा को केवल विशाल बनाने के बजाय पूरी थीम के साथ जोड़ने का प्रयास किया है, जिससे पंडाल की कल्पना एकरूप नजर आती है।

दर्शन के साथ बच्चों के लिए मनोरंजन भी

गणेशोत्सव में आने वाले परिवारों और बच्चों को ध्यान में रखते हुए समिति ने पंडाल परिसर के आसपास झूलों की व्यवस्था भी की है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग की व्यवस्था रखी गई है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आग से बचाव के लिए फायर सेफ्टी गार्ड तथा भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए बारडर तैनात किए गए हैं।



कबाड़ से जुगाड़ तक, नवाचार से संवारी बच्चों की पढ़ाई

दुर्ग। सीमित संसाधनों के बीच बच्चों की पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए नए-नए प्रयोग करने वाले दुर्ग जिले के शिक्षक पंकज सिंह राजपूत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। शिक्षक दिवस के अवसर पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया। इस समारोह में देशभर से चयनित 150 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ से इस सम्मान के लिए पंकज सिंह राजपूत का चयन हुआ। शासकीय प्रोन्नत प्राथमिक शाला टिकरापाड़ा खुरसुल, संकुल केंद्र बोर्ड, विकासखंड दुर्ग में पदस्थ पंकज सिंह राजपूत ने विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप कई नवाचार किए हैं। उन्होंने मातृभाषा आधारित शिक्षण, गतिविधि आधारित पढ़ाई, समावेशी वातावरण और बच्चों में आलोचनात्मक सोच विकसित करने पर विशेष जोर दिया। मातृभाषा आधारित गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने बच्चों की मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को मजबूत करने का प्रयास किया।

कबाड़ से तैयार की सीखने की सामग्री

बच्चों को किताबों तक सीमित रखने के बजाय उन्होंने आसपास उपलब्ध कम लागत वाली वस्तुओं और कबाड़ का



उपयोग कर शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार की। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से बनाए गए इन साधनों से बच्चों को कठिन विषयों को भी खेल और गतिविधियों के जरिए समझने का अवसर मिला। बाल सभा सहित विभिन्न गतिविधियों ने बच्चों को अपनी बात रखने के लिए सुरक्षित और सहज मंच दिया। इससे विद्यालय का वातावरण अधिक रचनात्मक, आनंदमय और सीखने के अनुकूल बना। शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचारों को विभिन्न मंचों पर पहचान मिल चुकी है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से उन्हें राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुका है। शून्य निवेश नवाचार के लिए जिला स्तरीय सम्मान भी मिल चुका है।

ताइक्वांडो में दुर्ग की बेटियों का कमाल, जया ने जीता स्वर्ण

भिलाई। खेल के मैदान में दुर्ग की बेटियां लगातार अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। पेंड्रा में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बी.आर.जे. शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा 12वीं की छात्रा जया निपाद ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ जया का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है। जया ने प्रतियोगिता के दौरान आत्मविश्वास और दमदार प्रदर्शन से प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस सफलता से विद्यालय में खुशी का माहौल है। वहीं कक्षा 10वीं की छात्रा हर्षिता ने भी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर अपना चयन सुनिश्चित किया। दोनों छात्राओं की उपलब्धि पर विद्यालय की प्राचार्य सीमा दवे, कक्षा शिक्षिका मीता चंद्राकर, पी.टी.आई. वर्षा यादव, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने बधाई दी। उन्होंने जया के राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की कामना करते हुए दोनों छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।



गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर गूंजी गुरबाणी, देशहित में जीवन समर्पित करने का लिया प्रण

गुरु ग्रंथ साहिब के आदर्शों अनुसार देशहित में अपना जीवन समर्पित करने लिया गया प्रण, हुआ कीर्तन और बंटा लंगर



गुरुओं और भक्तों की वाणी का संकलन

गुरु ग्रंथ साहिब की रचना के पीछे गुरु परंपरा द्वारा वाणी को सुरक्षित रखने की लंबी साधना रही। गुरु नानक देव की यात्राओं के दौरान उनके साथ पोथी रहती

थी। संगत में गाए गए शब्दों को समर्पित सिख लिपिबद्ध करते और इस प्रकार गुरबाणी को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा बनी। गुरु अरजन देव जी की देखरेख में पूर्व गुरुओं, भगतों और सिखों की रचनाओं को आदि ग्रंथ साहिब में संकलित किया गया, जिसकी लिपिबद्धता की देखरेख भाई गुरदास जी ने की। बाद में गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु तेगबहादुर की वाणी को इसमें शामिल कर वर्ष 1708 में गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु का दर्जा प्रदान किया। इसमें विभिन्न संतों और महापुरुषों की वाणी भी शामिल है। आज भी गुरु ग्रंथ साहिब की वाणी मानव जीवन को आध्यात्मिक दिशा देने के साथ सेवा, सद्भाव और मानवता का संदेश देती है।

कीर्तन के बाद अरदास, फिर अटूट लंगर

अखंड पाठ साहिब की समाप्ति के बाद हजूरी रागी कीर्तनी जत्थों ने गुरबाणी का कीर्तन किया। इसके बाद सर्वत्र के भले की अरदास की गई। संगत ने गुरु के उपदेशों के अनुरूप जीवन जीने और समाज व देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं के बीच कड़ाह प्रसाद और अटूट लंगर वितरित किया गया। आयोजन में स्थानीय संगत ने तन-मन-धन से सहयोग किया। गुरुद्वारा कमेटी ने सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।



सिटी इवेंट

हरिभूमि कार्यालय में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे



भिलाई। गणेश चतुर्थी के दूसरे दिन मंगलवार को हरिभूमि कार्यालय में भक्तिमय वातावरण के बीच भगवान श्री गणेश की आरती का आयोजन किया गया। शाम को आयोजित आरती में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों तथा हरिभूमि अखबार के स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा कार्यालय परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा। हरिभूमि कार्यालय में स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की सामूहिक आरती की। आरती के दौरान उपस्थित लोगों ने सुख-समृद्धि, शांति और सभी के मंगल की कामना की। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद और पूर्व भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष महेश वर्मा, एचएमजीएम मोदी ग्रुप के अध्यक्ष लोकेश पाण्डेय तथा भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश संयोजक राम उपकार तिवारी सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। हरिभूमि कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और स्टाफ भी बड़ी संख्या में आरती में मौजूद थे। पूजा-अर्चना और आरती के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। सभी ने एक-दूसरे को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर में धार्मिक उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। गणेश उत्सव को लेकर शहरभर में श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। जगह-जगह भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं और सुबह-शाम पूजा-अर्चना एवं आरती के आयोजन किए जा रहे हैं। हरिभूमि कार्यालय में आयोजित आरती भी इसी धार्मिक उत्सव का हिस्सा रही, जिसमें पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों के साथ जनप्रतिनिधियों और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने सहभागिता की।

धर्म लाइव

गणेश उत्सव आस्था के साथ सामाजिक एकता और सेवा का पर्व



दुर्ग। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान गणेश से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गजेन्द्र यादव ने कहा कि गणेश उत्सव हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा ऐसा पर्व है, जो समाज को एकता, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। गणेश पंडाल केवल भगवान श्री गणेश की आराधना का केंद्र नहीं होते, बल्कि ये सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक गतिविधियों और सेवा भाव के माध्यम भी बनते हैं। इन पंडालों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को सामने लाने का अवसर मिलता है। उन्होंने शहर में विभिन्न गणेश समितियों द्वारा उत्साह और श्रद्धा के साथ किए जा रहे आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि गणेश समितियों के युवा साथी जिस समर्पण और मेहनत के साथ आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं, वह सराहनीय है। युवाओं की यह सक्रिय भागीदारी हमारी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। गजेन्द्र यादव ने मंगलवार को दुर्ग शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन किए और गणेश समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को गणेश उत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने समिति के सदस्यों से संवाद कर आयोजन की जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में उत्सव मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद सभी के जीवन से विघ्न दूर करे और हर परिवार में सुख-समृद्धि लेकर आए।

बुद्धि, ज्ञान और विवेक के प्रतीक हैं भगवान गणेश

भिलाई। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। विधायक ललित चंद्राकर जी ने अपने परिवारजनों और कार्यकर्ताओं के साथ विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। विधायक ने क्षेत्रवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश बुद्धि, ज्ञान और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। इस अवसर पर निज सहायक युवराज बेलचंदन, हितेश देशमुख, शिव देशमुख, शुभम शर्मा, रिकेश सेन, राजा यादव लक्ष्म कुमार, नयन चंद्राकर, नयन चंद्राकर, राहुल, राजा चौहान, रविन्द्र वर्मा, निरंजन नेताम और परिवारजन उपस्थित थे।

श्री ऋषभ देव परिसर में पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन आत्मचिंतन एवं क्षमायाचना कर मनाया गया

श्रावक-श्राविकाओं ने किया संवात्सरिक प्रतिक्रमण, सभी जीवों से की क्षमा याचना, दिया तप व आत्मशुद्धि का संदेश

दुर्ग। जैन धर्म के आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व का अंतिम एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण दिवस मंगलवार को संवत्सरी महापर्व के रूप में श्रद्धा, तप, साधना, आत्मचिंतन एवं क्षमायाचना के साथ मनाया गया। शासन स्पर्ध वर्षावास समिति, दुर्ग एवं आदिनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित पर्युषण पर्व के समापन अवसर पर पूरे समाज में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। यह समस्त आयोजन आचार्य भगवंत जिनचंदसूरीश्वरजी तथा पन्थास प्रवर तप चक्रवर्ती, तप प्रभावक वीरभद्र मुनि आदि टाणा की पावन निश्राम में संपन्न हुआ। साधु भगवंतों के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में पर्युषण के आठों दिनों में श्रावक-श्राविकाओं ने अपनी-अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार उपावास, आर्यबिल, एकासणा, बियासणा सहित विभिन्न प्रकार की तप-साधना कर आत्मशुद्धि का प्रयास किया। पर्व के दौरान समाज में तप एवं आराधना का विशेष एवं भावपूर्ण वातावरण देखने को मिला। सीए मिनेश छाजेड ने बताया जैन धर्म में संवत्सरी महापर्व को आत्मावलोकन, आत्मशुद्धि और क्षमायाचना का सर्वोच्च अवसर माना गया है। पर्युषण के अंतिम दिन मनाया जाने वाला यह पर्व व्यक्ति को वर्षभर में अपने द्वारा मनु, वचन और कर्म से हुई भूलों एवं अपराधों का चिंतन करने तथा सभी जीवों के प्रति क्षमा भाव रखने की प्रेरणा देता है। मीडिया प्रमारी सीए मिनेश छाजेड ने बताया कि पर्युषण पर्व के दौरान समाज के सभी वर्गों में अभूतपूर्व उत्साह एवं धार्मिक जागृति देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोगों ने तप-साधना, पौषध आराधना एवं धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। विशेष रूप से 160 से अधिक सदस्यों द्वारा सिद्धि तप की आराधना करना समाज के लिए गौरव एवं अनुमोदना का विषय है।



मन को निर्मल करने का लिया संकल्प

संवत्सरी के अवसर पर जैन समाज के श्रावक-श्राविकाएं अपने भीतर के क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों को कम करने तथा आत्मा को अधिक निर्मल बनाने का संकल्प लेते हैं। इस दिन किसी व्यक्ति विशेष से ही नहीं, बल्कि सभी ज्ञात-अज्ञात जीवों से मन, वचन एवं कार्या से हुई भूलों के लिए क्षमा याचना की जाती है। यही भावना जैन धर्म के सार्वभौमिक संदेश मिच्छामि दुक्कडम में अभिव्यक्त होती है। संवत्सरी महापर्व के अवसर पर प्रातः 6-30 बजे से कल्पसूत्र वाचन का अंतिम दिवस आयोजित किया गया। पर्युषण पर्व के दौरान कल्पसूत्र वाचन का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इसमें जैन तीर्थंकरों के जीवन एवं उपदेशों सहित भगवान महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रसंगों का श्रवण किया जाता है। श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा एवं एकाग्रता के साथ कल्पसूत्र वाचन का श्रवण किया।

पारणा महोत्सव 21 सितंबर को भव्य धार्मिक : संवत्सरी महापर्व का मुख्य धार्मिक आयोजन शाम को श्री ऋषभ देव परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं एकत्रित हुए और सामूहिक रूप से संवात्सरिक प्रतिक्रमण किया। साधु भगवंतों के मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने वर्षभर में जाने-अनजाने में हुई भूलों का आत्मावलोकन किया तथा मन, वचन एवं कर्म से हुए पापों के लिए प्रार्थित किया। 21 सितंबर को सिद्धि तप के 160 से अधिक आराधकों का भव्य पारणा महोत्सव आयोजित होगा। इसी दिन शाम को भव्य भक्ति संस्था का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से मुंबई से गायक कलाकार आमंत्रित किए जाएंगे। 22 सितंबर को सकल श्वेतांबर जैन समाज का भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा।

संवत्सरी इतिहास, प्रेरणा और आत्मानुभूति का महान पर्व : राष्ट्र संत डॉ. मणिमद

दुर्ग। आध्यात्मिक वातावरण में चल रहे पर्युषण पर्व का आज अंतिम दिवस संवत्सरी महापर्व के रूप में श्रद्धा, साधना, तपस्या, त्याग और आत्मचिंतन के साथ मनाया गया। इसी श्रृंखला में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में भी पर्युषण पर्व के दौरान धर्म-ध्यान, त्याग, तपस्या एवं जप-अनुष्ठान की आराधना निरंतर चरती रही। धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्र संत डॉ. मणिमद मुनि जी महाराज ने कहा कि मानव स्वभाव से आनंद-पिपासु और उत्सवप्रिय है, लेकिन गृहस्थ जीवन की अनेक दिवाएं उसे चारों ओर से घेरे रहती हैं। जब मनुष्य इन चिंताओं से मुक्त होकर आनंद में निमग्न होता है, तब जीवन में एक नई बहार आती है और जीवन के प्रत्येक क्षण में आनंद की अनुभूति होने लगती है। ऐसी आनंदमयी स्थितियों को ही पर्व कहा जाता है। उन्होंने कहा कि हर देश और हर समाज में पर्व आनंद एवं उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। किसी समाज की जीवंतता और उत्साह का आकलन उसके पर्व एवं त्योहारों से किया जा सकता है। भारत का सौभाग्य है कि यह ऋषि एवं कृषि की भूमि होने के साथ-साथ उत्सवों और त्योहारों की भी भूमि है। यहां पर्वों की समृद्ध परंपरा रही है। सात वार भी त्योहार की लोकोक्ति भी भारत की इसी उत्सवप्रिय संस्कृति को दर्शाती है। संवत्सरी महापर्व के अवसर पर धर्मसभा में तपस्या करने वाले साधकों का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान पारिवारिक रिश्तों में तपस्या के प्रति श्रद्धा और सम्मान का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मामा-भांजे, देवराजी-जेठानी, पिता-पुत्र, भाई-भाई, पति-पत्नी तथा सास-बहू की जोड़ियों ने एक-दूसरे की तपस्या का अभिनंदन कर साधकों का उत्साहवर्धन किया। मामा-भांजे की जोड़ी में कालिलाल पारख ने विक्रम, देवराजी-जेठानी की जोड़ी में इंदिरा ने सरल बोहरा, पिता-पुत्र की जोड़ी में राकेश ने प्रतीक संवेती, पति-पत्नी की जोड़ी में विक्रम ने स्वीटी एवं रोशन ने तनुश्री भंडारी, तथा सास-बहू की जोड़ी में इंदिरा ने युक्ति की तपस्या का अभिनंदन किया।

पुलिस टीम के अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान

ऑपरेशन खेमू में सफलता पर पुलिस जवानों का सम्मान साइबर सेल और ट्रैकर डॉग टीम की अहम रही भूमिका

भिलाई। सातवीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई और जिला बल दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में चलाए गए ऑपरेशन खेमू की सफलता के बाद पुलिस टीम के अधिकारी-कर्मचारियों और सहयोगियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनके कार्य की सराहना की गई।

पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में साइबर सेल, जिला दुर्ग ने तकनीकी संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल किया। जिले के विभिन्न स्थानों से प्राप्त सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का संकलन और विश्लेषण किया गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने श्वान खेमू के संभावित आवागमन वाले मार्गों को चिन्हित किया। इसके बाद ट्रैकर डॉग टीम के साथ समन्वय कर चिन्हित क्षेत्रों में व्यवस्थित तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने खेमू का फोटो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और व्हाट्सएप ग्रुपों में व्यापक रूप से



प्रसारित किया। इसके जरिए आम नागरिकों से सहयोग और सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया गया। जनसहयोग और प्राप्त महत्वपूर्ण सूचनाओं के आधार पर पुलिस को श्वान खेमू को सफ़लता बरामद करने में सफलता मिली। ऑपरेशन को सफल बनाने में साइबर सेल, जिला दुर्ग के सहायक उप निरीक्षक सुरेश पांडे, प्रधान आरक्षक प्रेम सिंह, आरक्षक विश्वजीत सिंह, आरक्षक राजू राणा और आरक्षक चंदन भारकर का विशेष योगदान रहा। टीम ने तकनीकी सूचनाओं को जुटाने, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने और संभावित मार्गों को चिन्हित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान के दौरान डॉग लवर एसोसिएशन, नगर निगम और आम नागरिकों ने भी पुलिस टीम को

आवश्यक सहयोग और महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराईं। विशेष रूप से के. अनुप कुमार और अमित दुबे सहित अन्य सहयोगियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। सम्मान समारोह में सेनानी निवेदिता पॉल, उप सेनानी प्रज्ञा मेश्राम, उप सेनानी सबा अंजुम, सहायक सेनानी इंद्रसेन बंजारे और सहायक सेनानी संदीप मोरे सहित सातवीं वाहिनी व साइबर सेल, जिला दुर्ग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। सेनानी निवेदिता पॉल ने ऑपरेशन खेमू की सफलता में योगदान देने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों, साइबर सेल के सदस्यों, डॉग लवर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों, नगर निगम कर्मचारियों और आम नागरिकों के सहयोग की सराहना की।

अखिल भारतीय हिंदी दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय लोक अदालत में विधिछात्रों ने जानी न्यायिक प्रक्रिया



दुर्ग। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग के विधि विभाग के 40 से अधिक विद्यार्थियों ने जिला न्यायालय दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया के साथ न्यायालयीन कार्यप्रणाली की व्यावहारिक जानकारी हासिल की।इस अवसर पर जस्टिस मुस्कान शर्मा एवं जस्टिस वैशाली बघेल ने विद्यार्थियों को न्यायिक प्रक्रिया, विधि के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और करियर निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को न्याय व्यवस्था की कार्यप्रणाली को समझने के साथ विधि के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक पहलुओं की जानकारी दी। वहीं सीनियर एडवोकेट आशीष वर्मा ने विद्यार्थियों के साथ न्यायालयीन कार्यप्रणाली, अधिवक्ता की भूमिका और विधिक पेशे में उपलब्ध विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं और सवालों का समाधान भी किया। इस दौरान भारती विश्वविद्यालय के विधि संकाय की असिस्टेंट प्रोफेसर दीपान्विता छत्तरजी, असिस्टेंट प्रोफेसर रजत आनंद एवं असिस्टेंट प्रोफेसर योगिता सिंहा भी विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहें। विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार, विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक ज्ञान उपलब्ध कराना संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। राष्ट्रीय लोक अदालत की कार्यवाही में विद्यार्थियों की सहभागिता इसी उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

मंगल ग्रह पर जीवन खोजने से पहले अपने जीवन में मंगल खोजें : आचार्य डॉ. अजय

जीवन को बनाएं मंगलमूर्ति, ढंगल से रहें दूर, वेद प्रचार सप्ताह में गूंजा वैदिक संदेश



मनुस्मृति से सीखे स्त्री सम्मान

स्त्री सम्मान पर उन्होंने कहा कि मनुस्मृति पढ़े बिना उस पर बोलने वालों की संख्या बढ़ रही है। परिवार की वास्तविक संस्कारशीलता इस बात से पहचानी जाती है कि वहां माता, पत्नी, बहन और पुत्री को कितना सम्मान और गरिमा मिलती है। आचार्य ने एकता का महत्व समझाते हुए दो भाइयों और लकड़ियों के गढ़ुर को कहानी सुनाते हुए कहा कि अलग-अलग रहने पर छोटी ताकत भी तोड़ सकती है, जबकि साथ रहने पर बड़ी ताकत भी आसानी से नहीं तोड़ पाती। परिवार और समाज की शक्ति भी प्रेम और विश्वास में है।

वेद प्रचार का उद्देश्य जीवन बदलना

आचार्य ने कहा कि वेद प्रचार का उद्देश्य केवल वेद पढ़ाना नहीं, बल्कि उसके प्रकाश में जीवन को बदलना है। वेदों पर मुस्कान, मन में श्रद्धा, चिंताओं में सत्य और कर्म में परोपकार हो तो जीवन स्वयं मंगलमूर्ति बन सकता है। कार्यक्रम में सहारनपुर से आए अमरेश आर्य और सुभाष आर्य ने भजनों के माध्यम से वैदिक एवं आध्यात्मिक संदेश दिया। आचार्य अकिंत शर्मा शास्त्री ने हवन-यज्ञ करवाया। आलोक श्रीवास्तव, सुंदर श्रीवास्तव और संस्था श्रीवास्तव यजमान रहे। रवि आर्य, अवनी भूषण पुरंग, वसंत आर्य, प्रीति मट्ट, कमलेश आर्य, दया गोवर, रुचि गुलाटी, यतींद्र एवं सोनिया पुरंग, राकेश एवं श्वेता शर्मा, सुषमा झा, शुची लोखा, परमवीर भट्टा, रीता भट्टा, संजीव भट्टा, सरपाल दंपती, नील देवानंन सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हेल्थ टिप्स

भागदौड़ की जिंदगी के बीच इन्हें भी जानना जरूरी

अचानक घबराहट और चिंता जैसी परेशानी अब आम हो चली
हार्ट अटैक से मिलते-जुलते होते हैं पैनिक अटैक के लक्षण

लाइफ़ स्टाइल से उपजी सेहत की गड़बड़ी दूर करती है साइकिल



बिगड़ती लाइफ़स्टाइल मोटापे के साथ-साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। ऐसे में इन समस्याओं से बचाव करने के लिए शरीर में कुछ तरह की एक्टिविटी जरूरी है, ताकि शरीर को स्वस्थ रखने में कुछ मदद मिल सके। ऐसे में साइकिलिंग एक बेहतरीन एक्टिविटी साबित हो सकती है। साइकिलिंग करके खुद के शरीर को एक्टिव और फिट बनाना आसान हो सकता है। वजह यह है कि इसे भी एक तरह की एक्सरसाइज ही माना जाता है।

लाइफ़स्टाइल की बीमारियों पर साइकिल चलाने का असर

जब आप साइकिल चलाते हैं, तो यह पूरे शरीर के लिए एक कार्डियोवैस्कुलर वर्कआउट की तरह काम करती है। यह आपकी मांसपेशियों, फेफड़ों, दिल और दिमाग को एक साथ सक्रिय करती है।

दिल की सेहत में सुधार और ब्लड प्रेशर नियंत्रण

दिनभर बैठे रहने से रक्त संचार प्रभावित होता है, जिससे नसों में ब्लॉकेज और हाई बीपी का खतरा बढ़ता है। साइकिल चलाने से हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और दिल की धड़कन (Heart Rate) बेहतर होती है।

नियमित साइकिलिंग से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है और अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। यह रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाती है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या नियंत्रित रहती है।

वजन नियंत्रण और मोटापे से मुक्ति



खराब जीवनशैली का सबसे पहला असर मोटापे के रूप में सामने आता है, जो अन्य कई बीमारियों की जड़ है। रोजाना 30 से 45 मिनट साइकिल चलाने से लगभग 300 से 500 कैलोरी बर्न होती है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करती है, जिससे वर्कआउट के बाद भी कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया जारी रहती है। पेट और जांघों की जिद्दी चर्बी को कम करने में यह बेहद प्रभावी है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम

शारीरिक निष्क्रियता के कारण शरीर में इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं हो पाता, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। साइकिल चलाते समय मांसपेशियां ग्लूकोज का उपयोग ऊर्जा के रूप में करती हैं। इससे इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार होता है और टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों का शुगर लेवल नियंत्रित रहता है।

जोड़ों के दर्द और अर्थराइटिस से राहत

उम्र बढ़ने या भारी व्यायाम (जैसे रनिंग या हैवी वेट लिफ्टिंग) से अक्सर घुटनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। साइकिल चलाना एक 'लो-इम्पैक्ट' एक्सरसाइज है। इसमें शरीर का वजन साइकिल की सीट पर रहता है, जिससे घुटनों और टखनों के जोड़ों पर झटका या अत्यधिक दबाव नहीं पड़ता। यह घुटनों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है, जिससे जोड़ों का दर्द कम होता है।

तनाव से मुक्ति

डिजिटल युग में मानसिक तनाव, डिप्रेशन और एंजाइटी लाइफस्टाइल की बड़ी समस्याएं बन चुकी हैं। साइकिल चलाने से शरीर में एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे 'फील-गुड' हार्मोन्स का स्राव होता है। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन शांत होता है, मूड बेहतर होता है और अनिद्रा की समस्या से राहत मिलती है।

पाचन तंत्र की मजबूती

गलत खान-पान और शारीरिक गतिविधि न होने से कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं। साइकिल चलाने से पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और आंतों की गतिशीलता बढ़ती है। इससे भोजन जल्दी और सही तरीके से पचता है।

साइकिलिंग के अन्य प्रमुख शारीरिक व व्यावहारिक फायदे

इम्युनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता) में वृद्धि: नियमित साइकिल चलाने से शरीर की श्वेत रक्त कोशिकाएं अधिक सक्रिय रहती हैं, जिससे मौसम बदलने पर होने वाले संक्रमणों से बचाव होता है। फेफड़ों की क्षमता बढ़ना: एरोबिक गतिविधि होने के कारण फेफड़े अधिक ऑक्सीजन खींचते हैं।



आपने भी कई लोगों को पैनिक अटैक की समस्या से परेशान देखा होगा। अचानक घबराहट और चिंता की ये समस्या भय की शारीरिक संवेदनाओं का कारण बनती है। इस स्थिति में दिल की धड़कनों के तेज होने, सांस लेने में तकलीफ होने, चक्कर आने, कंपकंपी और मांसपेशियों में दर्द की दिक्कत हो सकती है। पैनिक अटैक अक्सर अप्रत्याशित रूप से होते हैं और अक्सर किसी बाहरी खतरे से संबंधित नहीं होते हैं। पैनिक अटैक की स्थिति में आपको ऐसा लग सकता है जैसे आप शरीर से नियंत्रण खो रहे हैं या आपको हार्ट अटैक हो रहा है।

कई लोगों को अपने जीवनकाल में एक या दो बार पैनिक अटैक हो सकता है हालांकि ज्यादातर मामलों में ये अपने आप ठीक भी हो जाता है। लेकिन अगर आपको बार-बार, अप्रत्याशित रूप से ये समस्या हो रही है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। कुछ स्थितियों में ये मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम के कारण भी हो सकती है।

हार्ट अटैक जैसे लक्षण पर, ये अलग समस्या है स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पैनिक अटैक की समस्या में ज्यादातर लक्षण हार्ट अटैक जैसे



हो सकते हैं, हालांकि स्थिति का समय पर सही निदान किया जाना आवश्यक माना जाता है। पैनिक अटैक आमतौर पर बिना किसी चेतावनी के अचानक शुरू हो सकता है। पैनिक अटैक कम होने के बाद आप थका



हुआ महसूस कर सकते हैं।

हार्ट अटैक की ही तरह पैनिक अटैक के कारण भी आपका ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, पसीने की समस्या होने लगती है, मितली और छाती में दर्द का भी अनुभव होता रह सकता है। ऐसे ही लक्षण हार्ट अटैक के भी माने जाते रहे हैं।

पैनिक अटैक में और क्या होते हैं लक्षण?

पैनिक अटैक के लक्षण आमतौर पर बिना किसी चेतावनी के अचानक शुरू होते हैं। पैनिक अटैक की सबसे गंभीर दिक्कत ये है कि इसमें लोगों को लगता है उन्हें हार्ट अटैक आ रहा है। पैनिक अटैक की स्थिति में आपको कुछ और तरह की दिक्कतें हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।



चंदन की माला पहनते समय इन बातों का रखें खास ध्यान



सनातन धर्म में पूजा-पाठ करने के दौरान कई चीजों का उपयोग किया जाता है। इसी में एक चंदन का माला भी है। पूजन में इसका विशेष रूप से उपयोग किया जाता है। चंदन के माला भी विभिन्न प्रकार के होते हैं और इनका प्रयोग भी अलग-अलग जगह पर किया जाता है। वहीं पूजन के साथ-साथ मंत्र जाप का भी विशेष महत्व माना गया है। अलग-अलग देवी-देवताओं के मंत्र जाप में विभिन्न मालाओं का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि चंदन की माला से किया गया जाप शीघ्र फल देता है। अब ऐसे में कुछ लोग चंदन का माला भी धारण करते हैं, लेकिन इसे पहनने से क्या लाभ होता है और किन नियमों का पालन करना जरूरी है। इसके बारे में जानना जरूरी है। आइए ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

चंदन की माला पहनें से हो सकते हैं ये लाभ

चंदन की माला का प्रयोग केवल मंत्र जाप करने के लिए ही नहीं, बल्कि पहनने के लिए बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। सफेद चंदन की माला धारण करने से व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है और दिमाग में सकारात्मकता का प्रवाह होता है। जिस भी जातक को खासकर मानसिक परेशानियां अधिक होती है।

ब्राजील में दम दिखाएंगे भारतीय खिलाड़ी

रायपुर। पिछले दो दिनों से रायपुर में चल रही वर्ल्ड स्कूल स्पोर्ट्स की ताइक्वांडो चयन स्पर्धा का समापन मंगलवार को हो गया। अंतिम दिन खिलाड़ियों ने मैदान पर जमकर पसीना बहाया। जल्द ही प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के अंतर्गत ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में होने वाले वर्ल्ड स्पोर्ट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सर्वाधिक खिलाड़ी उत्तराखंड से रहे व सर्वाधिक बालक विजेता भी यहीं से रहे। बालिका वर्ग में हरियाणा दूसरी सर्वोच्च खिलाड़ियों के साथ विजेता वर्ग में भी दूसरे पायदान में रहा।

दो दिवसीय स्पर्धा में चौदह सितंबर को बालिका वर्ग के मुकाबलों में 42 किग्रा भार वर्ग में गुजरात की रीवा जाजू विजेता और हिमाचल प्रदेश की शलिया भाटिया उपविजेता रहीं। 44 किग्रा में हरियाणा की ऋषिका विजेता तथा कर्नाटक की फिरदौस उपविजेता बनीं। 49 किग्रा में हरियाणा की रिया विजेता और सीबीएसई की कुरल उपविजेता रहीं।

55 किग्रा में मिजोरम की वनलाथथलालमुयपु विजेता और उत्तराखंड की आस्थ्ता उपविजेता बनीं। 63 किग्रा में मध्य प्रदेश की मान्या मिश्रा ने पहला स्थान पाया, जबकि महाराष्ट्र की ऋद्धि दीपक दूसरे स्थान पर रहीं। 68 किग्रा से अधिक भार वर्ग में महाराष्ट्र की कार्तिकी विजेता और आंध्र प्रदेश की दाबूरी सत्या उपविजेता रहीं। इसके पश्चात मंगलवार को हुए बालिका वर्ग के मुकाबलों में 46 किग्रा भार वर्ग में पंजाब की आंचल शर्मा विजेता और चंडीगढ़ की परमजीत उपविजेता बनीं। बावन किग्रा में उत्तराखंड की पूर्णिमा उपाध्याय विजेता तथा अरुणाचल प्रदेश की युवरा यामिनी उपविजेता रहीं। 59 किग्रा में केवीएस की दिव्याना विजेता और हरियाणा की भूमिका उपविजेता बनीं, जबकि 68 किग्रा में उत्तर प्रदेश की नव्या सिंह ने जीत दर्ज की और जीनेसिस जैन उपविजेता रहीं।

बालक वर्ग के मुकाबलों में 14 सितंबर को पैतालीस किग्रा भार वर्ग में दिल्ली के लव शर्मा विजेता और मध्य प्रदेश के अनुज मालवीय उपविजेता बने। 48 किग्रा में उत्तराखंड के मोक्ष विजेता तथा चंडीगढ़ के रौनक उपविजेता रहे। 55 किग्रा



में आर्यन विजेता और ओडिशा के रुद्र उपविजेता बने। 59 किग्रा में गुजरात के अर्णव ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि जम्मू के नासिरुल उपविजेता रहे। 63 किग्रा में उत्तराखंड के हर्षित विजेता और सीआईएससीई के वीर उपविजेता बने। 51 किग्रा में बिहार के हिमांशु विजेता तथा केवीएस के विराज उपविजेता रहे। 73 किग्रा में जम्मू-कश्मीर के अब्दुल विजेता और राजस्थान के दैविक उपविजेता रहे, वहीं 78 किग्रा से अधिक भार वर्ग में महाराष्ट्र के आर्यन विजेता और सीआईएससीई के शिवांक उपविजेता रहे। इस राष्ट्रीय चयन प्रतियोगिता का सफल आयोजन रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी जी. एम. सतीश दौमार तथा सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी छाया प्रकाश राव के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। इसमें खेल संचालनालय के सहायक संचालक खेल हिमांशु भारतीय एवं संजय शुक्ला सहित रायपुर जिले के क्रीड़ा शिक्षकों का भरपूर सहयोग रहा।

आगामी सत्र में जूडो की चयन प्रतियोगिता

ताइक्वांडो की समाप्ति के बाद अब 17 और 18 सितंबर को माहेश्वरी भवन, डुमरतरा (डूडा) में आगामी जूडो चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए देशभर से 18 वर्ष आयु वर्ग के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों का राज्य की राजधानी में आमनन शुरू हो चुका है।



गया है। पुरुष टीम के मैनेजर रामेंद्र यादव और कोच नजीर खान होंगे। टीम घोषणा के अवसर पर छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार

अहमद सहित संघ के पदाधिकारियों व विभिन्न जिलों के सचिवों ने चयनित खिलाड़ियों, कोच और मैनेजरों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।



शैलेश, राजेश, हनी और भरत बने राज्य चैंपियन

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति की ओर से सप्ते शाला टेबल टेनिस हॉल, रायपुर में स्व. ओम प्रकाश शर्मा स्मृति प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन 13 सितंबर हुआ।

■ प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता का सफल समापन

आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद, एम आई सी सदस्य तथा छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश चन्नावर थे। अध्यक्षता रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ के सचिव शकील साजिद ने की। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की टेक्निकल कमेटी के चेयरमैन अरविंद कुमार शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

रोमांचक मुकाबलों के बीच पुरुष 40+ आयु वर्ग के फाइनल में रायपुर के शैलेश डागा ने दुर्ग के रजनीश ओबेराय



को 2-0 से हराकर खिताब जीता, जबकि रायपुर के निशांत कानूंगा तीसरे स्थान पर रहे। पुरुष 50+ वर्ग में रायपुर के राजेश लुनिया ने बिलासपुर के बी. रविकांत को 2-0 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया और रायपुर महानगर के राजेश शेखर शर्मा तृतीय रहे। पुरुष 60+ वर्ग के खिताबी मुकाबले में बिलासपुर के हनी अरोरा ने रायपुर महानगर के अरविंद कुमार शर्मा को 2-0 से पराजित कर पहला स्थान हासिल किया। इसी तरह रायपुर के सुशांत बोरवनकर को तीसरा स्थान मिला। पुरुष 65+ वर्ग में रायपुर महानगर के एस.व्ही. पेंढारकर ने बिलासपुर के के. रविशंकर को कड़े मुकाबले में 2-1 से हराया और कोरिया के पी.एन. मजुमदार तीसरे स्थान पर रहे। पुरुष 70+ के पहले वर्ग में रायपुर के के.बी. सिंह ने दुर्ग के राम सावले को 2-0 से मात देकर विजेता का खिताब जीता और बिलासपुर के सुरजीत सेनगुप्ता तृतीय रहे। वहीं पुरुष 70+ के दूसरे वर्ग में रायपुर के डा. भरत अग्रवाल ने राजनांगगांव के एच.डी. चौधरी को 2-0 से हराकर बाजी मारी, जबकि दुर्ग के प्रदीप सूद तीसरे स्थान पर रहे।

महिला वर्ग के नतीजों में 40+ श्रेणी का खिताब रायपुर महानगर की सु दिव्या आर्पदे ने रायपुर महानगर की सु प्रमिला देवांगन को 2-0 से हराकर जीता, वहीं रायपुर की डा. स्वाति बाठिया तीसरे स्थान पर रहीं। महिला 50+ वर्ग के फाइनल में बिलासपुर की सु सुप्रिया सोम ने दुर्ग की सु सोनिका कौरा को 2-1 से मात देकर जीत दर्ज की और रायपुर महानगर की प्रमिला ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला 65+ आयु वर्ग में रायपुर की सु ईरा पंत ने बिलासपुर की सु सरवरी मोड़्रा को 2-0 से हराकर पहला स्थान पाया, जबकि बिलासपुर की गौरी डे तीसरे स्थान पर रहीं।

इस दौरान मंच पर छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति के सचिव प्रेमराज जांचक, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े एवं मुख्य निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे भी मौजूद थे। पूरी प्रतियोगिता का सफल संचालन मुख्य निर्णायक प्रवीण निरापुरे के साथ सहायक मुख्य निर्णायक राष्ट्रीय अंपायर हर्ष राजपूत और पुलकित यदु के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।



आंध्र प्रदेश के तिरुपति में अगले सप्ताह होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

72वीं सीनियर राष्ट्रीय बॉल बैडमिंटन के मुकाबले में उतरने छत्तीसगढ़ टीम तैयार, दोनों वर्ग में खिलाड़ियों की घोषणा

कबड्डी प्रतियोगिता में बिलासपुर प्रथम

कुम्हारी। माँ महामाया क्रीड़ा मण्डल कुम्हारी के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। दर्शकों के भारी उत्साह के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में वीर शिवाजी बिलासपुर ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम पुरस्कार 20,001 रुपये अपने नाम किया। भिलाई की टीम दूसरे स्थान पर रही और 13,001 रुपये का द्वितीय पुरस्कार जीता। महाकाल जंजगिरी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 7,001 रुपये तथा मेजबान कुम्हारी ने चतुर्थ स्थान हासिल कर 5,001 रुपये का नगद पुरस्कार प्राप्त किया।

खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए बिलासपुर के अजय मरावी को बेस्ट ऑलराउंडर और बिलासपुर



के ही 10 नंबर जर्सी धारक खिलाड़ी को बेस्ट कैचर चुना गया। महाकाल जंजगिरी के हिमेश को बेस्ट रेडर, कुम्हारी के रोहित सिन्हा को बेस्ट ब्लॉकर और भिलाई के कमांडो को बेस्ट डमी के पुरस्कार से नवाजा गया। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में नगर पालिका कुम्हारी के उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, दक्ष एसोसिएट कुम्हारी के देवेन्द्र साहू, भूपेंद्र पटेल और युवराज पटेल विशेष रूप से मौजूद रहे और विजेताओं को पुरस्कृत किया।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

दर्शकों की रिकॉर्ड-तोड़ वापसी, हो रही हॉलीवुड की छप्पर फाड़ कमाई

हॉ ली वु ड फिल्म उद्योग ने इस साल सिनेमाघरों में दर्शकों की रिकॉर्ड - तोड़ वापसी के साथ एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। मई से अगस्त के बीच ग्रीष्मकालीन बॉक्स ऑफिस ने केवल उत्तरी अमेरिका में \$4.6 बिलियन की कमाई की, जो पिछले दशक में किसी भी गर्मी के मौसम में दर्ज की गई सबसे अधिक कमाई है। उद्योग विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान महामारी और राइटर्स-एक्टर्स स्ट्राइक के कारण फिल्म उद्योग को जो आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा था, यह रिकवरी उससे पूरी तरह से बाहर निकलने का संकेत है। सिनेमाघर मालिकों के अनुसार, इस बार दर्शकों को खींचने में पारंपरिक फ्रेंचाइजी फिल्मों के बजाय मूल पटकथाओं और नई पीढ़ी के निर्देशकों का सबसे बड़ा योगदान रहा। इस शानदार कमाई में सबसे बड़ा हिस्सा क्रिस्टोफर नोलन की महाकाव्य कृति 'द ऑडिसी' का रहा, जिसने दुनिया भर में लगभग \$1.6 बिलियन का आंकड़ा छू लिया है। इसके अलावा, मार्वल और सोनी की ब्लॉकबस्टर 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने वैश्विक स्तर पर \$2.34 बिलियन की ऐतिहासिक कमाई करके हॉलीवुड के सबसे सफल प्रोजेक्ट्स में अपना नाम दर्ज कराया। दिलचस्प बात यह रही कि जहां कुछ बड़ी बजट की फ्रेंचाइजी फिल्में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं, वहीं कम बजट में बनी इंडिपेंडेंट और हॉरर फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। डिजिटल प्लेटफॉर्म से निकले युवा कंटेंट क्रिएटर्स और ए 24 (ए 24) जैसी प्रोडक्शंस की फिल्मों को जनरेशन-जेड (जेन-जी) दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया, जिससे मल्टीप्लेक्स और आईमैक्स थिएटर्स में दर्शकों की संख्या में 26% की भारी वृद्धि दर्ज की गई।

टॉलीवुड

कृष्णावतारम के सीक्वल की चर्चा नवरात्रि में री-रिलीज करने का भी प्लान

भगवान कृष्ण पर बनी फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट (हृदयम)' के बाद अब मेकर्स ने इसके अगले पार्ट्स को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इसका निर्देशन हार्दिक गज्जर ने किया है। फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता ने कृष्ण का किरदार निभाया है। वहीं सुष्मिता भट्ट राधा, निवाशिनी कृष्णन रुक्मिणी और संस्कृति जयंता सत्यभामा के रोल में नजर आई हैं। फिल्म 7 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब इसके अगले पार्ट को लेकर प्रोड्यूसर ने बड़ा अपडेट शेयर किया है। फिल्म की निर्माता शोभा संत ने बताया है कि फ्रेंचाइजी के दूसरे और तीसरे पार्ट की स्क्रिप्ट पर एक साथ काम चल रहा है। फिल्म का अगला पार्ट बड़े लेवल पर बनाया जाएगा और इसमें काफी वीएफएक्स का इस्तेमाल होगा। इसी वजह से पार्ट 2 को सिनेमाघरों तक पहुंचने में समय लगेगा। फिलहाल इसे 2028 में रिलीज करने की योजना है। मेकर्स अब पहली फिल्म को एक बार फिर दर्शकों के बीच लाने की तैयारी कर रहे हैं। साजन राज कुरूप के मुताबिक, फिल्म का इंग्लिश वर्जन अक्टूबर में विदेशों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा नवरात्रि के दौरान फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज करने का भी प्लान है। इस बार हिंदी वर्जन के साथ फिल्म को दूसरी भारतीय भाषाओं में भी डब करके दिखाया जाएगा। आगे चलकर 'कृष्णावतारम' को तमिल, तेलुगु, मलयालम और अंग्रेजी में भी दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी है। मेकर्स ने फिल्म के ओटीटी और स्टैंडलाइट राइट्स को फिलहाल अपने पास रखने का फैसला किया है।

छॉलीवुड

मयारू भौजी 3’ का शानदार मुहूर्त दर्शकों को फिल्म का रहेगा इंतजार

छ त्ती स ग द्दी सिनेमा की फि ल् म फ्रेंचाइजी 'मयारू भौजी' की तीसरी कड़ी 'मयारू भौजी 3' का मुहूर्त पाटन, दुर्ग में संपन्न हुआ। मोहन सुंदरानी प्रोडक्शन की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का दर्शकों को इंतजार है। फिल्म 'मयारू भौजी 3' को मोहन सुंदरानी प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता विजय सुंदरानी हैं, जबकि हितेन्द्र सुंदरानी सह-निर्माता की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म का निर्देशन उत्तम तिवारी करेंगे और सह-निर्देशक अर्जुन परमार हैं। फिल्म की तकनीकी टीम में डीओपी राज ठाकुर, एडिटर नीरज वर्मा, मेकअप विलास राउत, कॉस्ट्यूम रज्जू सरकार तथा आर्ट डायरेक्शन चन्दलाल वर्मा शामिल हैं। फिल्म के पोस्टर प्रोडक्शन का कार्य श्रेष्ठ स्टूडियो, रायपुर द्वारा किया जाएगा। वहीं डीआई और ऑडियो मिक्स की जिम्मेदारी भी नीरज वर्मा संभालेंगे। फिल्म के प्रोडक्शन की जिम्मेदारी धनराज साहू और मोहित साहू के पास है। एक्शन जानसन अरूण 'तन्वी' संभालेंगे। नृत्य निर्देशन के लिए नंदू तांडी, चंदनदीप, विलास राउत और सतीश साहू चुड़े हैं। गौरतलब है कि 'मयारू भौजी 2' को छत्तीसगढ़ में दर्शकों, खासकर महिला दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी और फिल्म ने सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे कर ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की थी। इसी सफलता और दर्शकों की मांग को देखते हुए अब 'मयारू भौजी 3' की तैयारी शुरू की गई है। तीसरे भाग को लेकर निर्माताओं की कोशिश है कि कहानी में पारिवारिक भावनाओं, मनोरंजन, संगीत और छत्तीसगढ़ी संस्कृति का ऐसा मेल हो, जो दर्शकों को एक बार फिर सिनेमाघरों तक खींचकर लाए। मुहूर्त के साथ ही फिल्म के निर्माण की औपचारिक शुरुआत हो गई है और जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। 'मयारू भौजी 3' से जुड़ी कहानी, कलाकारों और रिलीज डेट की विस्तृत जानकारी आने वाले दिनों में सामने आएंगी।

देवियां पेरिस में

पेरिस फैशन वीक में भारतीय डिजाइनर राहुल मिश्रा ने अपने नए कलेक्शन 'देवी: द इटरनल म्यूज' से तहलका मचा दिया। अपनी इस थीम में उन्होंने 2000 साल पुराने प्राचीन मंदिर की मूर्तियों और भारतीय संस्कृति को मॉडर्न कपड़ों में बेहद खूबसूरत ढंग से रैंप पर उतारा। ऑटम-विटर 2026-27 कलेक्शन में राहुल मिश्रा ने पेरिस के रैंप को भारत की पुरानी मूर्तियों और वास्तुकला के एक खूबसूरत नजारे में बदल दिया। उन्होंने ये साबित कर दिया कि फैशन सिर्फ अच्छे कपड़े पहनना नहीं, बल्कि एक गाथा सुनाना भी है.

घर पर फुट स्पा करते हुए इन टिप्स को करें फॉलो

पूरा दिन काम करने के बाद जब हम थक जाते हैं तो खुद को रिलैक्स करने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। इन्हीं में से एक है फुट स्पा। अक्सर छुट्टी के दिन खुद को पैमर करने के लिए या फिर अपनी थकान दूर करने के लिए हम घर पर ही फुट स्पा करते हैं। यह यकीनन खुद को आराम पहुंचाने का एक अच्छा तरीका है। लेकिन जब आप घर पर फुट स्पा कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ख़ास ख़्याल रखना चाहिए। घर पर फुट स्पा करते हुए आपको हेल्थ करने वाला कोई नहीं होता है, इसलिए आपको सारी तैयारी खुद ही करनी होती है। कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स के बारे में आपको जानना चाहिए, जिन्हें आपको फुट स्पा करते हुए ध्यान में रखना चाहिए-

अपने सामान को करें इकट्ठा

अगर आप घर पर फुट स्पा कर रही हैं तो ऐसे में आपको सबसे पहले सारा सामान इकट्ठा करना चाहिए। दरअसल, जब आप फुट स्पा करती हैं तो ऐसे में बीच में आपको सामान देने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए, आप फुट स्पा के दौरान काम में आने वाली चीजें जैसे टब, एस्पम सॉल्ट, गर्म पानी, तैलिए, फुट स्क्रब,



मॉइश्चराइजिंग लोशन, नेल क्लिपर, फाइल आदि को एक जगह रखें। इससे आपके लिए फुट स्पा करना अधिक रिलैक्सिंग होगा।

पैरों को करें प्रिपेयर

सुनने में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन फुट स्पा करने से पहले अपने पैरों को प्रिपेयर करना भी उतना ही ज़रूरी होता है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप पहले अपने नेल्स को काटकर शेप दें। साथ ही, अगर नेल्स पर नेल पॉलिश लगी है तो उसे रिमूव कर

द आर परा का अच्छा तरह धालें। इस तरह जब आप पहले पैरों को प्रिपेयर करते हैं तो फुट स्पा के दौरान आपको अधिक आसानी होगी।

पानी के टेंपरेचर का रखें ध्यान

फुट स्पा के दौरान आपको पानी के टेंपरेचर का ख़ासतौर पर ध्यान रखना चाहिए। अगर पानी बहुत अधिक गर्म या ठंडा होता है तो इससे आपको स्पा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। हमेशा ध्यान रखें कि आप टब में गुनगुना पानी डालें। साथ ही, इसमें एस्पम सॉल्ट डालें। इससे आपकी मसल्स रिलैक्स होती हैं। साथ ही, आप पैरों को लगभग 15-20 मिनट तक भिगोकर रखें। इससे पैरों की डेड स्किन को रिमूव करने में मदद मिलती है।

करें एक्सफोलिएट और मसाज

जब भी आप घर पर फुट स्पा करती हैं तो आपको थोड़ा वक्त निकालकर ऐसा करना चाहिए। कई बार हम जल्दबाजी करते हैं और पैरों को भिगोने के तुरंत बाद उसे एक्सफोलिएट करना शुरू कर देते हैं। लेकिन वास्तव में आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। कम से कम 15 मिनट तक पैरों को भिगोकर रखें।

डीप नेक ब्लाउज में दिखेंगी स्टनिंग अगर इन टिप्स को करेंगी फॉलो



जब हम साड़ी या लहंगा पहनते हैं तो उसमें स्टाइलिश दिखने के लिए ब्लाउज को कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल करवाते हैं। इनमें डीप नेक ब्लाउज यकीनन काफी स्टाइलिश लगते हैं। डीप नेक ब्लाउज आपको एक स्टेटमेंट लुक देते हैं। हालांकि, इन्हें सही तरह से स्टाइल करना बेहद ज़रूरी होता है, ताकि आप एलीगेंस के साथ इसे कैरी कर सकें। अगर डीप नेक ब्लाउज को सही तरह से स्टाइल ना किया जाए तो इससे आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको डीप नेक ब्लाउज को पहनते समय ध्यान में रखना चाहिए-

ब्लाउज के साथ ब्रा

जब आप डीप नेक ब्लाउज को स्टाइल कर रही हैं तो आपको उसके साथ-साथ ब्रा पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपकी ब्रा सही नहीं होगी तो यह ब्लाउज में विजिबल होगी। ऐसे में आपका पूरा लुक ही बिगड़ जाएगा। कोशिश करें कि आप ऐसी ब्रा चुनें, जो आपके ब्लाउज की नेकलाइन को कॉम्प्लीमेंट करती हो। आप चिपकने वाली या सिलिकॉन ब्रा पहन सकती हैं।

स्टाइलिश हो एक्सेसरीज

जब आप डीप नेक ब्लाउज कैरी करती हैं तो उसके साथ सही एक्सेसरीज पहनकर आप एक स्टेटमेंट लुक कैरी कर सकती हैं। मसलन, डीप नेक ब्लाउज के साथ चंकी नेकलेस या चोकर स्टाइल किया जा सकता है।

फिटिंग को करें चेक

डीप नेक ब्लाउज में आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब उसकी फिटिंग अच्छी हो। सही ढंग से सिलवाया गया ब्लाउज न केवल दिखने में अच्छा लगेगा, बल्कि इससे आपको सही कवरेज भी मिलेगा। डीप नेक ब्लाउज देखने में काफी स्टनिंग लगता है। लेकिन इसमें आपका लुक तभी स्टाइलिश लगता है।



बिना काटे दोमुंहे बालों से इस तरह पाएं छुटकारा

अगर आप दोमुंहे बालों की समस्या से परेशान हैं, तो इससे छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खे आजमा सकती हैं। स्प्लिट एंड्स यानि दोमुंहे बाल तब होते हैं जब बाल बहुत रुखे हो जाते हैं, जिसकी वजह से छल्ली, जो बालों की सबसे ऊपरी सुरक्षात्मक परत होती है, बालों के सिरों से अलग हो जाती है और फिर सिरें दो भागों में बंट जाते हैं। बालों के सिरों को समय-समय पर ट्रिम करना दोमुंहे बालों को रोकने का एक आसान तरीका है। लेकिन आप कई घरेलू उपचार या फिर टिप्स की सहायता से इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। दोमुंहे बालों को कम करने आप गर्म तेल की मदद ले सकती हैं। बस आप हफ्ते में दो बार शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके अपने बालों में लगाएं। साथ ही, दोमुंहे बालों के सिरों पर भी लगाएं। फिर एक तैलिये को गर्म पानी में डुबोएं और पानी को निचोड़ें। फिर गर्म तैलिया को सिर पर पगड़ी की तरह लपेट दें। इसे 5 मिनट तक लगाकर ऐसे ही रहने दें। आप अपने सिर पर गर्म तैलिया को लपेटने की प्रक्रिया को कम से कम 3 से 4 बार दोहराएं। यह बालों और



स्कैल्प के तेल को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे दोमुंहे बाल खुद ही ठीक हो जाते हैं।

कार्नर न्यूज

सितंबर का महीना मौसम में एक सुखद बदलाव लेकर आता है। मानसून की विदाई और हल्की गुलाबी ठंड की आहट के बीच यह महीना अपनी अलमारी को एक नया मेकओवर देने के लिए सबसे सही समय माना जाता है। इस सुहावने मौसम में न तो बहुत ज्यादा गर्मी होती है और न ही कड़ाके की ठंड, इसलिए कपड़ों के चयन में प्रयोग करने के लिए यह समय बेहद अनुकूल रहता है। अक्सर लोग समझ नहीं पाते कि बदलते मौसम के अनुसार रोजाना किस तरह और और किस रंग के कपड़े पहनें ताकि वे ट्रेंडी और आरामदायक महसूस कर सकें।

लाल रंग (उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक)

सितंबर की शुरुआत में मौसम में थोड़ी नमी और ताजगी रहती है। ऐसे में सप्ताह के शुरुआती दिनों में लाल रंग का आउटफिट पहनना एक बेहतरीन विकल्प है। लाल रंग देखने में काफी निखरकर आता है और यह आपके लुक में तुरंत एक नया उत्साह और आत्मविश्वास

कई रंगों में फैशन की बहार

सितंबर के बदलते मौसम में निखारें अपना फैशन सप्ताह के अलग-अलग दिनों में अपनाएं इन्हें

जोड़ देता है। महिलाएं लाल रंग की कुर्ती, टॉप या कॉटन की लाइट साड़ी चुन सकती हैं, जबकि पुरुषों के लिए लाल या मैरून रंग की कैजुअल शर्ट या कुर्ते का विकल्प बाजार में आसानी से मिल जाता है।

हरा रंग (प्रकृति और ताजगी का अहसास)

सितंबर में चारों ओर बिखरी हरियाली के बीच हरा रंग बेहद शांत और आकर्षक लगता है। इस मौसम में हल्के या गहरे हरे रंग के आउटफिट का चयन करें। पुरुषों के लिए हरे रंग की लिनेन शर्ट या टी-शर्ट इस मौसम के लिए एकदम सही है। वहीं महिलाओं के लिए हरे रंग में अनारकली सूट, कॉटन ड्रेसेस या प्रिंटेड टॉप्स के अनगिनत विकल्प मौजूद हैं, जो दिन के समय पहनने पर बहुत तरोताजा लुक देते हैं।



पीला रंग (चमकदार और सकारात्मक वाइब्स)

सितंबर की हल्की खिली हुई धूप में पीला रंग बेहद खूबसूरत दिखाई देता है। पीला रंग सकारात्मकता और ताजगी का प्रतीक माना जाता है। इस

रंग के हल्के कॉटन के कपड़े इस मौसम में शरीर को आराम भी पहुंचाते हैं। पीले रंग की शर्ट, कुर्ती या फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेसेस आपको थोड़ से अलग और फ्रेश लुक देती हैं।

शाम के समय दोस्तों या परिवार के साथ बाहर निकलने के लिए नारंगी या ऑरेंज शेड के कपड़े बहुत अच्छे लगते हैं। यह रंग न तो बहुत ज्यादा भड़कीला होता है और न ही फीका। नारंगी रंग के एथनिक या वेस्टर्न वियर इस सुहावने मौसम में आपकी शैली में एक नया रंग जोड़ते हैं।

पेस्टल कलर्स (वीकेंड का सुहावना अंदाज)

सितंबर के हफ्ते के आखिरी दिनों या वीकेंड पर रिलैक्स महसूस करने के लिए पेस्टल शेड्स जैसे लाइट पिंक, स्काई ब्लू या मिंट ग्रीन रंग के कपड़े पहनें। ये रंग आंखों को ठंडक पहुंचाते हैं। पीले रंग की शर्ट, कुर्ती या फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेसेस आपको थोड़ से अलग और फ्रेश लुक देती हैं।



5 से 7 बूंदे मिक्स कर सकती हैं और इस मिश्रण से चेहरे को साफ कर सकती हैं।